जनहितैषी

जनहितैषी अब janhitaishinews.com पर भी

हिन्दी दैनिक

R.N.I. No. 64278/96 वर्ष:28 अंक: 214 दिनांक:09-12-2023 शनिवार मूल्य : 1 रुपया 50 पैसा पृष्ठ:4 वडोदरा M

पीएम मोदी दुनिया के सबसे लोकप्रिय नेता, अमेरिकी राष्ट्रपति को मिला 8वां स्थान; सर्वे के अनुसार, 76 प्रतिशत लोगों ने पीएम मोदी का समर्थन किया। जबकि 18 प्रतिशत ने ही उनके विरोध में अपना मत रखा।

संसद में आज कैश फॉर क्वेरी मामले में पश्चिम बंगाल की टीएमसी सांसद महुआ मोइत्रा की सदस्यता खत्म कर दी गई। संसद में चर्चा के दौरान महुआ मोइत्रा को बोलने का अवसर भी नहीं मिला।

कैश फॉर क्वेरी ने छीनी सांसदी

-महुआ मोइत्रा को संसद में बोलने का भी नहीं दिया मौका

-विपक्ष ने उठाए सवाल

-सदन में ध्वनिमत से एथिक्स कमेटी के फैसले पर लगी मोहर

नई दिल्ली(ईएमएस)। संसद में आज कैश फॉर क्वेरी मामले में पश्चिम बंगाल की टीएमसी सांसद महुआ मोइत्रा की सदस्यता खत्म कर दी गई। संसद में चर्चा के दौरान महुआ मोइत्रा को बोलने का अवसर भी नहीं मिला। इस पर विपक्ष ने सवाल भी किये। सदन ने ध्वनिमत से महुआ की सदस्यता समाप्त करने के एथिक्स कमेटी के फैसले पर मुहर लगा दी।

लोकसभा में शुक्रवार को पैसे लेकर सवाल करने के मामले को लेकर जबरदस्त हंगामा हुआ, जिसके चलते सदन की कार्रवाई कुछ समय के लिए स्थगित भी रही। आखिरकार कैश फॉर क्वेरी मामले में महुआ मोइत्रा की संसद सदस्यता शुक्रवार 8 दिसंबर को रद्द कर दी गई। संसदीय कार्य मंत्री प्रल्हाद जोशी ने मोइत्रा के निष्कासन का प्रस्ताव सदन के समक्ष पेश किया, जिसे लोकसभा ने ध्वनिमत से मंजूरी प्रदान कर दी। इसे लेकर विपक्ष ने लोकसभा में चर्चा के दौरान सरकार पर नियमों का हवाला देते हुए अनेक सवाल भी उठाए। इसके जवाब में भाजपा मुखर होती दिखी।

सदन में कांग्रेस की तरफ से मनीष तिवारी ने कहा कि वकालत पेशे में 31 साल के करियर में उन्होंने जल्दबाजी में बहस जरूर की होगी, लेकिन सदन में जितनी जल्दबाजी में उन्हें चर्चा में हिस्सा लेना पड़ रहा है, वैसा उन्होंने कभी नहीं देखा। उन्होंने कहा कि आसमान नहीं टूट पड़ता, यदि तीन चार-दिन हमें दे दिये जाते, ताकि (रिपोर्ट) पढ़कर सदन के समक्ष हम अपनी बात रखते।

लोकसभा अध्यक्ष ने दिया जवाब

इसके जवाब में भाजपा सांसद अपराजिता सारंगी ने कहा कि यह विषय अहम है क्योंकि संसद की मर्यादा और संवैधानिक प्रक्रियाओं से जुड़ता है। वहीं मनीष तिवारी के द्वारा उठाए गए सवाल पर लोकसभा स्पीकर ओम बिरला ने कहा कि 'यह संसद है न कि कोर्ट है।

मैं न्यायाधीश नहीं हूं, सभापति हूं...यहां मैं निर्णय नहीं कर रहा, बल्कि सभा निर्णय कर रही है।'

महुआ को बात रखने का नहीं मिला मौका

सदन में एथिक्स कमेटी की रिपोर्ट पर चर्चा के दौरान टीएमसी नेता सुदीप बंदोपाध्याय ने इस बात को प्रमुखता से उठाया कि महुआ मोइत्रा को अपनी बात रखने का मौका नहीं दिया गया। उन्होंने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला से कहा कि मोइत्रा को उनका पक्ष रखने का मौका दिया जाए। उन्होंने जोर देते हुए कहा, कि निष्पक्ष सुनवाई तब होती है जब प्रभावित व्यक्ति को सुना जाता है।'

संसदीय कार्य मंत्री का तर्क

संसदीय कार्य मंत्री प्रल्हाद जोशी ने सुदीप बंदोपाध्याय के सवाल का जवाब दिया और कहा, कि 'लोकसभा के पूर्व अध्यक्ष सोमनाथ चटर्जी के समय 10 लोगों को निष्कासित किया गया था। उस समय चटर्जी ने स्पष्ट रूप से कहा था कि आरोपी सांसद कमेटी के समक्ष पेश हुए, ऐसे में इन्हें सदन में बोलने का अधिकार नहीं है।'

आरबीआई ने हॉस्पिटल-शिक्षा संस्थानों के लिए यूपीआई ट्रांजेक्शन सीमा बढ़ाई

- अब 5 लाख रुपये तक का भुगतान यूपीआई से किया जा सकेगा

नई ?दिल्ली (ईएमएस)। देश में यूपीआई को बढ़ावा देने के लिए भारतीय रिजर्व बैंक लगातार प्रयास करता रहा है। यही वजह है कि हर महीने यूपीआई ट्रांजेक्शन की संख्या में बढ़ोतरी होती जा रही है। आरबीआई ने यूपीआई में ऑफलाइन ट्रांजेक्शन से लेकर आर्टिफिशल इंटेलिजेंस (एआई) के इस्तेमाल को बढ़ावा दिया है। आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास ने शुक्रवार को मॉनिटरी पॉलिसी मीटिंग के ऐलान में बताया कि रेपो रेट में कोई बदलाव नहीं किया जा रहा है। साथ ही उन्होंने हॉस्पिटल और शिक्षा संस्थानों में यूपीआई ट्रांजेक्शन की सीमा बढ़ाकर पांच लाख रुपये करने की भी घोषणा कर दी। आरबीआई के नए फैसले के बाद हॉस्पिटल और शिक्षा संस्थानों में अब यूपीआई की मदद से ज्यादा पेमेंट किया जा सकेगा। नई नीति के अनुसार, अब इन जगहों पर प्रति ट्रांजेक्शन एक लाख के बजाय 5 लाख रुपये तक का भुगतान यूपीआई से किया जा सकेगा। इस फैसले से इन संस्थानों में यूपीआई के इस्तेमाल को बढ़ावा मिलेगा। अस्पतालों के बिल और स्कूल-कॉलेजों फीस जमा करने में होने वाली असुविधा कम हो जाएगी। शक्तिकांत दास ने वित्त वर्ष 2024 में देश में रिटेल महंगाई दर 5.40 फीसदी ही रहने का अनुमान जताया है।

पीएम मोदी एक बार फिर दुनिया के सबसे लोकप्रिय नेता, मिली 76 फीसदी अप्रूवल रेटिंग

नई दिल्ली (ईएमएस)। ग्लोबल लीडर अप्रूवल रेटिंग के मुताबिक प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 76 ? रेटिंग के साथ एक बार फिर से लोकप्रियता के मामले में दुनिया के टॉप नेता बन गए हैं। यह रेटिंग 29 नवंबर से 5 दिसंबर के डेटा के आधार पर जारी की गई है। इस अप्रूवल रेटिंग के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की डिसअप्रूवल रेटिंग भी बाकी नेताओं से कम है।

रेटिंग के मुताबिक पीएम मोदी के बाद दूसरे नंबर पर मेक्सिको के राष्ट्रपति एंड्रेज मैनुएल, तीसरे नंबर पर स्विट्जरलैंड के राष्ट्रपति अलेन बरसेट, ब्राजील के राष्ट्रपति लूला दा सिल्वा, ऑस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री एंथनी एल्बनीज और इटली की पीएम जॉर्जिया मेलोनी हैं। यह रेटिंग अलग-अलग देशों की अडल्ट पॉपुलेशन की रेटिंग के आधार पर निकाली जाती है। वहीं हर देश में सैंपल साइज अलग होता है। यह सर्वे अमेरिका की कंपनी द मॉर्निंग कंसल्ट ने करवाया था।

बता दें कि इस रेटिंग में टॉप 7 में ना तो अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन का नाम है और ना ही चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग का। इससे पहले सितंबर में भी पीएम मोदी की लोकप्रियता टॉप पर थी। तब दूसरे नंबर पर स्विट्जरलैंड के राष्ट्रपति एलेन बर्सेट ही थे। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन तब सातवें स्थान पर थे। बता दें कि पीएम मोदी को 2023 में लगातार तीसरे साल दुनिया का सबसे लोकप्रिय नेता चुना गया था।

आरबीआई ने रेपो दर 6.5 प्रतिशत पर बरकरार रखा

- विभिन्न कर्जों पर मासिक किस्त (ईएमआई) में कोई बदलाव नहीं होगा

मुंबई (ईएमएस)। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने शुक्रवार को लगातार पांचवीं बार नीतिगत दर रेपो को 6.5 प्रतिशत पर बरकरार रखा। साथ ही चालू वित्त वर्ष 2023-24 के लिए आर्थिक वृद्धि दर के अनुमान को 6.5 प्रतिशत से बढ़ाकर सात प्रतिशत कर दिया है। वहीं खुदरा मुद्रास्फीति के अनुमान को 5.4 प्रतिशत पर बरकरार रखा। रेपो दर को 6.5 प्रतिशत पर बरकरार रखने का मतलब है कि मकान, वाहन समेत विभिन्न कर्जों पर मासिक किस्त (ईएमआई) में कोई बदलाव नहीं होगा। मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की बुधवार से शुरू हुई तीन दिन की बैठक में किये गये निर्णय की जानकारी देते हुए आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास ने कहा ?कि एमपीसी के सभी छह सदस्यों ने परिस्थितियों पर गौर करने के बाद आम सहमति से रेपो दर को 6.5 प्रतिशत पर कायम रखने का फैसला किया। इसके साथ एमपीसी ने उदार रुख को वापस लेने के अपने रुख पर कायम रहने का निर्णय किया है। दास ने कहा ?कि वैश्विक चुनौतियों के बावजूद देश की अर्थव्यवस्था मजबूत बनी हुई है और हमारी बुनियाद सुदृढ़ है। दास ने कहा ?कि जीएसटी संग्रह, पीएमआई (परचेंजिंग मैनेजर इंडेक्स) जैसे महत्वपूर्ण आंकड़े मजबूत बने हुए हैं। इन सबको देखते हुए चालू वित्त वर्ष में जीडीपी वृद्धि दर सात प्रतिशत रहने का अनुमान है। आरबीआई ने पहले वृद्धि दर 2023-24 में 6.5 प्रतिशत रहने का अनुमान जताया था। खुदरा महंगाई दर चालू वित्त वर्ष में 5.4 प्रतिशत रहने का अनुमान बरकरार रखा गया है।

चुनाव आयोग आरोप लगाने वालों से करेगी जवाब तलब

कठोर कार्रवाई की चेतावनी

नई दिल्ली (ईएमएस)। इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन पर उठाई जा रहे सवालों को लेकर चुनाव आयोग परेशान हो गया है। चुनाव आयोग के सूत्रों द्वारा कहा गया है, कि किसी भी तरह की उल जलूल और झूठी बातों पर आयोग अब चुप नहीं बैठेगा। झूठे आरोपों के कारण लोगों का भरोसा कमजोर होता है। इसको रोकने के लिए अब आयोग ने झूठे आरोप लगाने वालों से प्रमाण पेश करने के लिए नोटिस जारी करेगा। प्रमाण उपलब्ध नहीं कराए जाने पर कठोर कार्रवाई की जाएगी।

उल्लेखनीय है कि पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव परिणाम आने के बाद, छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल, अखिलेश यादव पूर्व मुख्यमंत्री,पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह और कई अन्य नेताओं द्वारा आरोप लगाए गए हैं।यूट्यूबऔर सोशल मीडिया में भी ईवीएम मशीन को लेकर इस तरह के बयानों पर चुनाव आयोग नोटिस जारीकर प्रमाण मांगेगा। यदि प्रमाण प्रस्तुत नहीं किए गए तो आरोप लगाने वालों पर कठोर कार्रवाई चुनाव आयोग द्वारा की जाएगी।

सरकार को घेरने की तैयारी: सुलगते मुद्दों पर चर्चा के लिए कांग्रेस ने दिया

नई दिल्ली (ईएमएस)। लोकसभा में चर्चा के लिए कांग्रेस ने ऐसे मुद्दों पर स्थगन दिया है,जिन पर तीखी बहस होने की पूरी संभावना है।दिल्ली में वायु गुणवत्ता,तमिलनाडु में चक्रवात मिचौंग और कतर में कैद आठ पूर्व नौसेना कर्मियों को फांसी के मामले पर विपक्ष लोकसभा में चर्चा कराना चाहता है। इसके लिए कांग्रेस सांसद मनिकम टैगोर, गौरव गोगोई और मनीष तिवारी ने कार्य स्थगन प्रस्ताव के नोटिस दिये। गोगोई ने दिल्ली में वायु गुणवत्ता संकट पर चर्चा के लिए स्थगन प्रस्ताव का नोटिस दिया, जबकि तिवारी ने कतर में कैद सेवानिवृत्त भारतीय नौसेना कर्मियों के संबंध में चर्चा कराने के लिए स्थगन नोटिस दिया।

तिवारी ने नोटिस में लिखा है, मैं अत्यावश्यक मामले पर चर्चा के उद्देश्य से सदन के कार्य को स्थगित करने के लिए एक प्रस्ताव पेश करने की ओर ध्यान खींचना चाहता हूं। अर्थात् यह सदन कतर में कैद सेवानिवृत्त भारतीय नौसेना कर्मियों के संबंध में चर्चा करने के लिए शून्यकाल, प्रश्नकाल और दिन की कोई अन्य कार्यावधि को निलंबित करके चर्चा कराने का अनुरोध किया है। कैप्टन नवतेज सिंह गिल, कैप्टन बीरेंद्र कुमार वर्मा, कैप्टन सौरभ वशिष्ठ, कमांडर अमित नागपाल, कमांडर पूर्णेंदु तिवारी, कमांडर सुगुनाकर पकाला, कमांडर संजीव गुप्ता और नाविक रागेश को कतर की अदालत ने 26 अक्टूबर 2023 को सजा सुनाई थी। उन्होंने कहा कि वह अगस्त 2022 से लगातार इस मामले को सदन के अंदर और बाहर उठाते रहे हैं लेकिन पिछले 14 महीनों से सरकार की ओर से कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है। उन्होंने कहा, इस बीच, आठ नौसैनिकों (सेवानिवृत्त) को कथित तौर पर बेरहमी से प्रताड़ित किया गया, आत्म-दोषारोपण स्वीकारोक्ति कराई गई और कुछ सुनवाईयों में कंगारू ट्रेल में मौत की सजा सुनाई गई।

सरकार ने इस मामले पर कड़ा विरोध जताने के लिए कतर के राजदूत को भी नहीं बुलाया है। भारत सरकार की ओर से कोई विरोध नजर नहीं आ रहा है। तिवारी ने कहा, उनकी अपील की कथित स्वीकृति के बावजूद, आरोप, अदालत के तर्क और प्रथम दृष्टया न्यायालय के फैसले की प्रति जैसे महत्वपूर्ण विवरण अज्ञात हैं। इसलिए मैं सरकार से आग्रह करता हूं कि वह कतर में हमारे पूर्व नौसेना कर्मियों के बारे में स्थिति और उन्हें भारत वापस लाने के लिए उठाए गए कदमों के बारे में सदन को सूचित करे। मैं इस मामले को उठाने की अनुमति का अनुरोध करता हूं। टैगोर ने चक्रवात मिचौंग के कारण चेन्नई और तमिलनाडु के अन्य हिस्सों में हुए नुकसान पर चर्चा शुरू करने का नोटिस दिया। चक्रवात मिचौंग के विनाशकारी प्रभाव के बाद चेन्नई और तमिलनाडु के अन्य हिस्सों में स्थिति अत्यधिक असामान्य है। चक्रवात के परिणाम ने समुदायों को दुख की स्थिति में छोड़ दिया है, जिससे उबरने के लिए तत्काल उपायों की आवश्यकता है। उन्होंने कहा, स्थिति की गंभीरता को ध्यान में रखते हुए, सदन को चेन्नई और तमिलनाडु के अन्य हिस्सों की स्थिति के बारे में चर्चा शुरू करनी चाहिए और व्यापक और प्रभावी राहत प्रयासों को सुविधाजनक बनाने के लिए न्यूनतम 5,100 करोड़ रुपये जारी करने के लिए सरकार को तत्काल कार्रवाई का निर्देश देना चाहिए।

मणिपुर में 30 सालों से लगा शराब प्रतिबंध हटा,बिहार में उठने लगी मांग

इंफाल (ईएमएस)। टैक्स की दृष्टि से शराब सरकार के लिए कमाई का अहम जरिया है। वहीं, लोगों के लिए यह भावनात्मक मुद्दा है। तभी तो बिहार में नीतीश कुमार ने महिलाओं की मांग पर इसका ऐलान किया था। इस मुद्दे पर अब खूब राजनीति होती है। हालांकि, इस सबके बीच मणिपुर एक ऐसा राज्य है, जहां शराबबंदी कानून खत्म कर दिया गया है। इसके बाद बिहार में भी मांग उठने लगी है। मणिपुर में भाजपा की सरकार ने 30 साल से अधिक समय के बाद शराब पर प्रतिबंध हटाने का फैसला किया है। कैबिनेट ने राज्य का राजस्व बढ़ाने और जहरीली शराब की सप्लाई रोकने के लिए शराब नीति में सुधार किया है। मणिपुर के मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह के नेतृत्व वाली कैबिनेट ने राज्य में 30 साल से अधिक के प्रतिबंध के बाद शराब के निर्माण, उत्पादन, कब्जे, निर्यात, आयात, परिवहन, खरीद, बिक्री और खपत को मंजूरी दे दी है।

बता दें कि इससे पहले सितंबर 2022 में शराबबंदी पर लगे प्रतिबंध को आंशिक रूप से हटा दिया गया था। जिला मुख्यालयों, न्यूनतम 20 बिस्तरों वाले होटलों में शराब की बिक्री और खपत के साथ-साथ स्थानीय स्तर पर बनी देशी शराब के निर्यात की अनुमति दी गई थी। मणिपुर में जैसे ही शराबबंदी कानून को खत्म किया गया, बिहार में भी इसकी मांग होने लगी है। कन्फेडरेशन ऑफ इंडियन अल्कोहलिक बेवरेज कंपनीज (सीआईएबीसी) ने एक बार फिर बिहार सरकार से मणिपुर सरकार के फैसले की तरह राज्य में शराब पर पूर्ण प्रतिबंध हटाने की अपील की है। सीआईएबीसी के महानिदेशक विनोद गिरी ने बुधवार को बयान जारी कर कहा कि तीन दशक से अधिक लंबे निषेध को समाप्त करके मणिपुर सरकार ने एक सकारात्मक कदम उठाया है। इससे न केवल वार्षिक कर राजस्व के रूप में 600-700 करोड़ रुपये की कमाई होगी, बल्कि अवैध शराब की बिक्री और नशीली दवाओं के प्रसार के खतरे से निपटने में भी मदद मिलेगी। इस मामले में बिहार के निषेध और उत्पाद शुल्क मंत्री सुनील कुमार ने कहा कि राज्य विधानमंडल के दोनों सदनों द्वारा सर्वसम्मति से पारित होने के बाद शराबबंदी राज्य सरकार का एक नीतिगत निर्णय था और इसे वापस नहीं लिया सकता है।

बिहार में 2016 से पूर्ण शराबबंदी लागू है। हालांकि, इसके बाद भी जहरीली शराब से मरने वालों के कई मामले सामने आते रहे हैं। इस बहाने नीतीश सरकार पर विपक्ष लगातार हमलावर रहता है। हाल ही में बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री जीतन मांझी ने शराबबंदी को फेल बताया था। उन्होंने दावा किया था कि इस कानून के कारण जेल में बंद होने वाले लोगों में 80 फीसदी दलित समाज के लोग हैं। इसके साथ ही जीतनराम मांझी ने दावा किया था कि यदि हमारी सरकार आएगी तो गुजरात की तर्ज पर इस कानून को लागू करेंगे या इस कानून को पूरी तरह खत्म कर देंगे। उन्होंने कहा कि मद्य निषेध विभाग द्वारा कराए जा रहे सर्वेक्षण में फिर आएगा कि शराबबंदी सफल है। जातीय सर्वे की तरह ही यह भी झूठा होगा।

कांग्रेस सांसद के ठिकानों से करोड़ों बरामद होने पर मोदी ने कसा तंज

रांची,(ईएमएस)। कांग्रेस सांसद के ठिकानों से आयकर छापे में बरामद की गई रकम की गिनती 200 करोड़ के पार हो गई है। आलमारियों में नोटों की गड्डियों की तस्वीरें सोशल मीडिया के तमाम प्लेटफॉर्म पर वायरल हो रही हैं। इस पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने तंज कसते हुए कहा कि देशवासी इन नोटों के ढेर को देखें और फिर इनके नेताओं के ईमानदारी के भाषणों को सुनें, जनता से जो लूटा है उसकी पाई-पाई लौटानी होगी। पिछले तीन दिनों से छापे की कार्रवाई जारी है। इसे लेकर अब राजनीति भी गर्मा गई है और संबंधित को गिरफ्तार करने की मांग कर दी गई है।

दरअसल झारखंड से कांग्रेस के राज्यसभा सांसद धीरज प्रसाद साहू और उनके करीबियों के ठिकानों पर आयकर ने छापामार कार्रवाई करते हुए अकूत नोटों का जखीरा बरामद किया है। नोटों की गिनती 220 करोड़ रुपयों से ज्यादा हो गई है। इस छापे से जुड़ी खबर को सोशल मीडिया पर पोस्ट करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने लिखा, कि देशवासी इन नोटों के ढेर को देखें और फिर इनके नेताओं के ईमानदारी के भाषणों को सुनें...जनता से जो लूटा है, उसकी पाई-पाई लौटानी पड़ेगी, यह मोदी की गारंटी है। इसके साथ हंसी वाली इमोजी को भी एड किया गया है। प्रधानमंत्री की पोस्ट को महज 1 घंटे में 10 हजार से ज्यादा लोग रिपोस्ट कर आगे बढ़ा चुके हैं। प्रधानमंत्री के इस तंज के बाद ही झारखंड के भाजपा नेताओं ने कांग्रेस सांसद धीरज साहू की गिरफ्तारी की मांग भी कर दी है।

नवाब मलिक के 'अपमान' को लेकर सुले ने साधा भाजपा पर निशाना

-धनशोधन मामले में आरोपी मलिक को सत्तारूढ़ महायुति गठबंधन में शामिल करने के ?विरोध पर प्रतिक्रिया

मुंबई (ईएमएस)। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) की कार्यकारी अध्यक्ष सुप्रिया सुले ने भाजपा को ''भ्रष्ट जुमला पार्टी'' बताते हुए उस पर महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री नवाब मलिक का ''अपमान'' करने व अजित पवार समूह को फंसाने का आरोप लगाया है। महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस ने सत्तारूढ़ महायुति गठबंधन में धनशोधन मामले में आरोपी मलिक को शामिल करने के ?विरोध संबंधी पत्र पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) की कार्यकारी अध्यक्ष सुप्रिया सुले ने नवाब मलिक का अनु?चित अपमान बताया।

उन्होंने बृहस्पतिवार को 'भाजपा पर अजित पवार समूह को फंसाने का अरोप लगाया । बता दें भगोड़े गैंगस्टर दाऊद इब्राहिम और उसके सहयोगियों से जुड़े धनशोधन के मामले में ईडी ने फरवरी 2022 में मलिक को गिरफ्तार किया था।

फिलहाल वह चिकित्सकीय आधार पर जमानत पर हैं। मलिक ने बृहस्पतिवार को यहां महाराष्ट्र विधानमंडल के शीतकालीन सत्र में भाग लिया। वह सदन में सबसे अंतिम पंक्ति में, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के अजित पवार के नेतृत्व वाले गुट के एक विधायक के पास में बैठे थे। जेल से रिहाई के बाद मलिक ने पहली बार विधानमंडल के सत्र में हिस्सा लिया था। फडणवीस ने अजित पवार को लिखे पत्र में कहा था कि एक विधायक के तौर पर मलिक को विधानमंडल के सत्र में हिस्सा लेने का अधिकार है और भाजपा को उनसे कोई निजी दुश्मनी या वैमनस्य नहीं है। बहरहाल, वह जिन आरोपों का सामना कर रहे हैं उन्हें देखते हुए हमारी राय है कि उन्हें महायुति में शामिल करना उचित नहीं होगा। महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री फडणवीस ने उपमुख्यमंत्री पवार को लिखे पत्र में यह भी कहा कि मलिक स्वास्थ्य संबंधी कारणों से जमानत मिलने की वजह से जेल से बाहर आए हैं। हम मानते हैं कि आपकी पार्टी में किसे शामिल करना चाहिए, यह तय करने का अधिकार आपको है। लेकिन (महायुति के) हर घटक को सोचना होगा कि क्या इससे गठबंधन को नुकसान होगा, इसलिए हम इसका विरोध करते हैं।

आदित्य -एल 1 ने सूरज की पहली फोटो भेजी

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारत के पहले सोलर मिशन आदित्य -एल 1 ने सूरज की पहली फोटो भेजी है। सैटेलाइट के सोल अल्ट्रावॉयलेट इमेजिंग टेलिस्कोप ने सूरज की तस्वीरें कैद की हैं। भारत की स्पेस एजेंसी इंडियन स्पेस रिसर्च ऑर्गनाइजेशन ने बताया कि ये सभी तस्वीरें 200 से 400 नैनोमीटर वेवलेंथ की है। तस्वीरों में सूरज 11 अलग-अलग रंगों में दिखाई दे रहा है।

इसरो ने अपने आधिकारिक एक्स हैंडल से एक पोस्ट में बताया, सूट पेलोड ने अल्ट्रावॉयलेट वेवलेंथ्स (तरंग दैर्ध्य) के पास सूर्य की फुल डिस्क इमेज कैप्चर की हैं। तस्वीरों में 200 से 400 एनएम तक की वेवलेंथ में सूर्य की पहली फुल-डिस्क रिप्रजेंटेशन शामिल है। ये तस्वीरें सूर्य के फोटोस्फीयर और क्रोमोस्फीयर के बारे में इंट्रिकेट डिटेल देती है।

महुआ का मोदी सरकार पर हमला........लोग महाभारत का युद्ध देखने को तैयार रहे

नई दिल्ली (ईएमएस)। कथित कैश फॉर क्वेरी मामले में संसद की एथिक्स कमेटी की रिपोर्ट पर शुक्रवार को लोकसभा में पेश हुई। इसके पहले तृणमूल कांग्रेस सांसद महुआ मोइत्रा ने मोदी सरकार ने कहा कि अब लोग महाभारत का युद्ध देखने को तैयार रहे।

इस दौरान महुआ ने प्रसिद्ध कवि रामधारी सिंह दिनकर की कविता का एक अंश बोलकर मोदी सरकार पर तंज भी किया। उन्होंने कहा, जब नाश मनुज पर छाता है, पहले विवेक मर जाता है। भाजपा सांसद विनोद कुमार सोनकर की अध्यक्षता वाली लोकसभा आचार समिति ने इस महीने की शुरुआत में अपनी रिपोर्ट सौंपी थी, जिसमें मोइत्रा को संसद से निष्कासित करने की सिफारिश की गई थी।

भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने वकील जय अनंत देहाद्राई के जरिए मोइत्रा के खिलाफ लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को शिकायत भेजी थी, जिसमें उन पर अदाणी समूह और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को निशाना बनाने के लिए कारोबारी दर्शन हीरानंदानी के कहने पर सदन में सवाल पूछने के बदले रिश्वत लेने का आरोप लगाया गया है।

बेनॉय बाबू को जमानत देकर सुप्रीम कोर्ट ने कहा, लंबे समय तक जेल में नहीं रख सकते

नई दिल्ली (ईएमएस)। सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली के कथित शराब घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में शराब निर्माता कंपनी पेरनोड रिकार्ड के रीजनल मैनेजर बेनॉय बाबू को जमानत दे दी। बेनॉय को जमानत देकर अदालत ने प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) पर तीखी टिप्पणी की है। सुप्रीम कोर्ट ने ईडी से कहा, आप ट्रायल से पहले लोगों को लंबे समय तक सलाखों के पीछे नहीं रख सकते। आम आदमी पार्टी (आप) नेता मनीष सिसोदिया और संजय सिंह पर भी मामले में शामिल होने का आरोप है।

जस्टिस संजीव खन्ना और जस्टिस एसवीएन भट्ट की बेंच ने माना कि मामले में सुनवाई शुरू नहीं हुई है और आरोप तय नहीं हुए हैं। सुप्रीम कोर्ट ने यह देखकर उन्हें जमानत दे दी कि वह 13 महीने से सलाखों के पीछे हैं। सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई के दौरान कहा कि प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) इतने लंबे समय तक मुकदमे से पहले आरोपियों को हिरासत में नहीं रख सकता है।

जस्टिस खन्ना ने कहा,... हम अब भी नहीं जानते कि यह कैसे होगा। सीबीआई जो आरोप लगा रही है और ईडी जो आरोप लगा रही है, उनके बीच विरोधाभास प्रतीत होता है।

बता दें कि, मामले के सिलसिले में कई लोगों को गिरफ्तार किया गया है, जिसने भाजपा और आम आदमी पार्टी के बीच बड़े पैमाने पर राजनीतिक विवाद पैदा कर दिया है। इस मामले में दिल्ली के पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसौदिया और राज्यसभा सांसद संजय सिंह समेत आप के दो वरिष्ठ सदस्यों को गिरफ्तार किया गया है। मनीष सिसोदिया फरवरी से और संजय सिंह अक्टूबर से जेल में हैं।

फरवरी-मार्च में हो सकते हैं लोकसभा चुनाव

नई दिल्ली, (ईएमएस)। पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव के नतीजों से उत्साहित मोदी सरकार और भारतीय जनता पार्टी समय पूर्व लोकसभा चुनाव कराने की तैयारी में हैं। 22 जनवरी को राममंदिर कार्यक्रम संपन्न होने के साथ ही लोकसभा चुनाव की अधिसूचना तिथियां निर्वाचन आयोग घोषित कर सकता है। देश में चुनाव तीन चरणों में कराए जा सकते हैं। पहले चरण में हिंदी बेल्ट के राज्यों में मतदान कराये जाने की संभावना है।

मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और राजस्थान में भाजपा को मिली अप्रत्याशित जीत के बाद संभावना व्यक्त की जा रही है कि मोदी सरकार समय पूर्व लोकसभा चुनाव करा सकती है। तीन से चार माह पहले ही लोकसभा चुनाव में जाने के लिए भाजपा ने रणनीति बनाकर उस पर कार्य करना भी शुरु कर दिया है।

फरवरी के अंतिम सप्ताह और मार्च के प्रथम व द्वितीय सप्ताह में मतदान कराया जाए। लोकसभा चुनाव तीन चरणों में संपन्न कराया जा सकता है। इसमें प्रथम चरण में हिंदी बेल्ट में चुनाव होंगे, क्योंकि राममंदिर कार्यक्रम का असर इनमें ज्यादा देखा जाता है और इसका लाभ पार्टी को अधिक से अधिक मिल सके। इसका भी ध्यान रखा जाएगा। हिन्दी भाषी राज्यों में प्रथम चरण का मतदान कराने के बाद दक्षिण राज्यों में चुनाव कराने की संभावना है और अंतिम चरण में कश्मीर व पश्चिम बंगाल जैसे अन्य राज्यों में चुनाव संपन्न कराने पर विचार किया जा सकता है।

संभावना व्यक्त की जा रही है कि केंद्र सरकार अपना कार्यकाल पूर्ण करने की बजाय चुनाव में जाना ज्यादा पसंद करेगी। इसका मुख्य कारण राममंदिर प्राण-प्रतिष्ठा कार्यक्रम का हिन्दी बेल्ट में होने वाले असर का लाभ लेने की मंशा भी काम कर रही है।

नियमानुसार 3 से 4 माह पहले भी आयोग द्वारा चुनाव कराए जा सकते हैं। पहले भी 1977 और 1984 में जनवरी माह में 3 चरणों में लोकसभा चुनाव कराये गये हैं। वित्त मंत्री 2 माह के लिए लेखानुदान पास करा लेंगी। ताकि अप्रैल एवं मई 23 में बजट से संबंधित कोई समस्या ना हो। नई सरकार 2024 में अपना पूर्ण बजट प्रस्तुत कर पायेगी। 2 बाह पूर्व में यह व्यवस्था हो चुकी है। जिसके कारण लोकसभा चुनाव फरवरी एवं मार्च 24 में कराए जाने की संभावना बन गई है।

जो बाइडेन के बेटे ने करोड़ों खर्च किये अय्याशी पर, अब हो सकती है जेल

नई दिल्ली (ईएमएस)। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन के बेटे हंटर बाइडेन को नौ टैक्स आरोपों का सामना करना पड़ रहा है। ये आरोप हंटर बाइडेन की अय्याशी भरी लाइफस्टाइल की ओर इशारा कर रहे हैं। अमेरिकी सरकारी वकीलों का कहना है कि हंटर ने करोड़ों रुपये अपनी अय्याशी पर खर्च किए हैं।

कैलिफोर्निया की अदालत में दायर आरोपों से पता चलता है कि हंटर ने वेश्याओं, ऑनलाइन पोर्नोग्राफी, लक्जरी कारों सहित विभिन्न मौजमस्ती पर 872,000 डॉलर (7 करोड़ रुपये से ज्यादा) की भारी फिजूलखर्ची की है। इसमें 10,000 डॉलर की सेक्स क्लब मेंमबरशिप भी शामिल है। सरकारी वकीलों का आरोप है कि फिजूलखर्ची में ड्रग्स, एस्कॉर्ट (कॉलगर्ल), गर्लफ्रेंड, लक्जरी होटल, किराए की प्रॉपर्टी, विदेशी कारें, कपड़े और व्यक्तिगत जरूरतों की अन्य चीजें शामिल हैं। अय्याशी पर जमकर पैसे बहाने वाले हंटर बाइडेन ने खूब टैक्स चोरी की है। उन ये आरोप साल 2016 से 2019 तक के हैं। इसी समय के दौरान हंटर बाइडेन ने शराब और क्रैक कोकीन की लत से जूझने की बात भी स्वीकार की है।

अभियोग से पता चलता है कि बाइडेन पर टैक्स दाखिल करने और भुगतान करने में विफल रहने, टैक्स चोरी और गलत कर रिटर्न दाखिल करने के नौ आरोप लगाए गए हैं। आरोपों से यह भी पता चलता है कि बिडेन ने टैक्स में कुल 14 लाख डॉलर की चोरी की है। अगर वे आरोपों में दोषी पाए जाते हैं तो हंटर को 17 साल तक की जेल का सामना करना पड़ सकता है। अमेरिकी न्याय विभाग ने कहा कि बाइडेन के खिलाफ जांच जारी रहेगी।

आरोपों में टैक्स पेमेंट की जानबूझकर चोरी करने के तीन घोर अपराध और छह संगीन अपराध शामिल हैं। हंटर बाइडेन के वकील, एब्बे लोवेल का तर्क है कि उनके मुवक्किल ने अपने कर लोन का निपटान कर दिया है और अब पूरी तरह से साफ हैं।

प्याज निर्यात पर प्रतिबंध के विरोध में किसानों ने किया मुंबई आगरा हाईवे जाम

मुंबई (ईएमएस)। केंद्र सरकार के प्याज के निर्यात पर प्रतिबंध के विरोध में प्याज किसानों ने शुक्रवार को महाराष्ट्र के नासिक में मुंबई आगरा राजमार्ग को तीन स्थानों पर अवरुद्ध कर दिया और जिले के थोक बाजार में नीलामी रोक दी। यह जानकारी पुलिस ने दी। केंद्र ने घरेलू उपलब्धता बढ़ाने और कीमतों को काबू में रखने के लिए प्याज के निर्यात पर 31 मार्च, 2024 तक प्रतिबंध लगा दिया है।

एक अधिकारी ने कहा कि किसानों ने शुक्रवार को नासिक में लासलगांव, चंदवाड, नंदगांव, डिंडोरी, येवला, उमराने और अन्य स्थानों की प्याज मंडियों में नीलामी बंद कर दी।

अधिकारियों के अनुसार, लासलगांव कृषि उत्पाद बाजार समिति (एपीएमसी) में नीलामी नहीं हुई, लेकिन लासलगांव एपीएमसी के विन्चुर और निप्पाद उप-समितियों में हुई।

अधिकारियों ने बताया कि प्याज से लदे 600 वाहन शुक्रवार को विन्चुर पहुंचे। उन्होंने कहा कि न्यूनतम कीमत 1,500 रुपये प्रति क्विंटल, अधिकतम 3,300 रुपये प्रति क्विंटल और औसत 2,700 रुपये प्रति क्विंटल थी।

अधिकारी ने कहा कि मुंबई-आगरा राजमार्ग पर सैकड़ों किसानों ने कुछ समय के लिए तीन स्थानों पर ट्रैक्टरों का उपयोग करके सड़क अवरुद्ध कर दिया। उन्होंने कहा कि किसानों ने जयखेडा, चंदवाड, उमराने, नंदगांव और मालेगांव के मुंगसे में रास्ता रोको प्रदर्शन किया।

अधिकारी ने कहा कि नासिक पुलिस द्वारा अपील के बाद प्रदर्शनकारी शांतिपूर्ण तरीके से तितर-बितर हो गए और किसानों पर कोई बल प्रयोग नहीं किया गया।

जन हितैषी

जन हितैषी

सरकारी जमीनों पर अतिक्रमण की लूट, जल्द होंगे सरकारी कार्यालयों पर कब्जे?

नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल भोपाल ने एक कड़ी टिप्पणी प्रशासन के ऊपर की है। एनजीटी के आदेश के बाद भी भोपाल के बड़े तालाब में स्थित भदभदा में हुए 227 अतिक्रमण जिला प्रशासन नहीं हटा पाया। इस पर न्यायमूर्ति ने गंभीर टिप्पणी करते हुए नाराजी जताई। उन्होंने कहा जिला प्रशासन की इस असक्षमता के लिए क्या कहा जाए। अतिक्रमण धारी बेखोफ होकर सरकारी जमीनों पर कब्जा कर रहे हैं। अतिक्रमण धारियों के सामने कलेक्टर यदि अपने आप को अक्षम असहाय महसूस करता है? कलेक्टर को उस दिन का इंतजार भी कर लेना चाहिए। जब उनके ही कार्यालय पर बेघरों की भीड़ दफ्तर और सरकारी आवासों पर कब्जा कर लेगी। आप कुछ भी नहीं कर पाएंगे।एनजीटी के न्यायमूर्ति ने कहा कि कलेक्टर सरकारी जमीन और संपत्ति का संरक्षक होता है। यदि वही संरक्षण के स्थान पर अतिक्रमण की लूट पर असहाय हो जाए।तो इस स्थिति के लिए क्या कहा जा सकता है। एनजीटी ने अपने आदेश में कहा भोपाल अति विकसित शहर और प्रदेश की राजधानी है। 62 नालों का पानी बिना ट्रीटमेंट किया जल स्त्रोतों में मिल रहा है। लाखों लोगों को दूशित पेयजल की आपूर्ति हो रही है। एनजीटी के बार-बार आदेश करने के बाद भी 18 नाले सीधे तालाब में जाकर मिल रहे हैं। भोपाल में रोजाना 390 एमएलडी सीवेज निकल रहा है। जबकि सीवेज के ट्रीटमेंट की व्यवस्था केवल 130 एमएलडी की है। एनजीटी ने एक बार फिर से कलेक्टर और नगर निगम के कमिश्नर को अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई करने, और जल स्त्रोतों में सीवेज मिलने से रोकने के लिए तीन माह का समय दिया है। ऐसा नहीं होने पर कोर्ट जुर्माना लगाने की चेतावनी भी दी है। एनजीटी ने आश्चर्य व्यक्त किया कि कलेक्टर को अतिक्रमण हटाने के लिए संसाधन नहीं मिले। बड़ा सरकारी फोर्स राजधानी में उपलब्ध रहता है। उसके बाद भी बिना अतिक्रमण हटाए कैसे फोर्स लौट जाती है। कलेक्टर इतने अक्षम होंगे, कि उनके पुलिस फोर्स मांगने पर उन्हें पुलिस बल उपलब्ध नहीं कराया जाता। नगर निगम कमिश्नर जिनकी अतिक्रमण हटाने की जिम्मेदारी है। उन्हें भी 4 माह का समय एनजीटी द्वारा दिए जाने के बाद भी अतिक्रमण नहीं हटा पाए। एनजीटी के न्यायमूर्ति ने कहा जब कानून नहीं बने थे, तब प्रशासन, जिसकी लाठी उसकी भैंस के इशारे पर चलता था। सत्ता बंदूक की नोक से निकलती है। भीड़ तंत्र जैसे सिद्धांतों पर आधारित होकर सत्ता चल रही है। भारत में अब लोकतांत्रिक व्यवस्था है। नियम कायदे कानून बने हुए है। कानून का शासन आम जनता से नहीं छीना जा सकता है। यह पहली बार नहीं है, इसके पहले भी कई बार एनजीटी इसी तरीके की टिप्पणियां कर चुकी है। शासन और प्रशासन अतिक्रमण धारियों के सामने बौना साबित हो रहा है। या यूं भी कह सकते हैं कि अतिक्रमण धारी शासन के बड़े-बड़े पदों का संरक्षण पाकर ही अतिक्रमण करते हैं।अतिक्रमण हटाने के नाम पर केवल खाना पूर्ति की जाती है। सरकार चाहे तो 1 दिन के अंदर सारे अतिक्रमण अलग हो सकते हैं। जिन्हें अतिक्रमण हटाना है, अतिक्रमण हटाना ही नहीं चाहते। भीड़ तन्त्र के अपने आप को बोना बताने लगते हैं। एनजीटी के आदेशों का पालन इसलिए भी नहीं हो रहा है। जब हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट के आदेशों का पालन, शासन और प्रशासन नहीं कर रहे हैं। ऐसी स्थिति में नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल के आदेशों का पालन किस तरह होगा। इस पर किसी को सहज ही विश्वास नहीं होता है। हाल ही में एनजीटी ने एक आदेश दिया था, जिसमें मुख्य सचिव को न्यायालय में उपस्थित होने के निर्देश दिए थे। मुख्य सचिव तो बने रहे, मुख्य सचिव की नाराजी से एनजीटी के न्यायमूर्ति का ही ट्रांसफर कर दिया गया। इसके बाद भी एनजीटी का यह कहना की जिला प्रशासन 3 महीने के अंदर अतिक्रमण हटाकर उन्हें सूचना दे। पीने के पानी में सीवेज का पानी नहीं मिले। इसके स्पष्ट आदेश होने के बाद भी कहने सुनने का यह खेल पिछले कई सालों से चल रहा है। ऐसा लगता है एनजीटी के दांत खाने वाले ना होकर केवल दिखाने वाले दांत रह गए हैं।आगे भी इसी तरह से चलता रहेगा। न्यायपालिका, शासन और प्रशासन ऐसे ही दिखावा करते रहेंगे। आम जनता का काम ही नियम कायदे कानून में की आड़ में पिसना है। वर्तमान में जनता भी पूरी तरह से भेड की तरह हो गई है। जो अपने अधिकारों के लिए भी लड़ना भूल गई है। जैसे गडरिया भेड़ों को हांकता है। भेड उसी दिशा में चल पड़ती हैं। आम जनता की भी यही स्थिति बन गई है। शासन और प्रशासन जिस हाल में रखेगा उसे हाल में रहने के लिए हमें तैयार रहना होगा।

मोदी मैजिक शुरू 'महाविजय' की तैयारी: राज्य होंगे मजबूत....?

इन दिनों पूरे देश की तीखी नजर देश में आए दिन घटित होने वाली राजनीतिक घटनाओं पर है, आज-कल देश में जो भी राजनीतिक पैतरेबाजी चल रही है, उसे ''मोदी मैजिक'' नाम दिया गया, इस पूरी कवायद का एक ही लक्ष्य है और वह है आगामी लोकसभा चुनाव में 'महाविजय' हासिल करना, इस राजनीतिक कवायद की शुरूआत विधानसभाओं का चुनाव जीतने वाले एक दर्जन सांसदों के संसद की सदस्यता से इस्तीफों से हो गई है, अर्थात् अब 'मोदी मैजिक' के तहत देश की राजनीतिक गतिविधियों का केन्द्र दिल्ली नहीं बल्कि राज्यों की राजधानियां होगी, इसी कारण अब तीनों राज्यों मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़ और राजस्थान की राजधानियां राजनीतिज्ञों से गुलजार होने लगी है, मोदी जी का यह राजनीतिक कदम लोकसभा चुनावों में महाविजय की मंजिल का पहला कदम है और भाजपाशासित सभी राज्य इसके साथ 'कदमताल' करने को मजबूर है।

देश की बड़ी-बड़ी राजनीतिक हस्तियों का देश की राजधानी त्यागकर राज्यों की राजधानियों में डेरा डालने का यह पहला अवसर है, अब चूंकि लोकसभा चुनाव ज्यादा दूर नहीं है इसलिए इस योजना के हर पहलू का प्रयोग जल्दी-जल्दी होगा और इस पहल के प्रयोग के लिए पहली बार विधानसभा चुनावों वाले इन तीन राज्यों को चुना गया है।

मोदी जी के इस नए राजनीतिक प्रयोग के पीछे मोदी जी की मंशा केवल अपनी केन्द्र सरकार को दीर्घजीवी बनाना नहीं है, बल्कि वे राज्यों पर अपने वर्चस्व को भी लम्बी उम्र देना चाहते है, जिससे कि कोई भी अन्य दल या उसका नेता भविष्य में उनके लिए चुनौती न बने, इसलिए वे केन्द्र के बजाए राज्यों में अपने कदम को मजबूती प्रदान करना चाहते है, वह भी नामी गिरामी नेताओं के माध्यम से। ....और यदि कोई राज्यस्तरीय नेता इस मामले में आनाकानी करें तो उसे तत्काल उचित सलाहपूर्ण चेतावनी देकर सही रास्ते पर भी लाने का काम किया जा रहा है, जिसका ताजा उदाहरण राजस्थान की पूर्व मुख्यमंत्री और पार्टी की वरिष्ठ नैत्री वसुंधरा राजे की ताजी राजनीतिक पैतरेबाजी है, जिसका मोदी ने सार्थक जवाब देकर उन्हें सही रास्ते पर आकर खड़े होने को मजबूर किया।

आज के 'मोदी मैजिक' व मौजूदा राजनीतिक घटनाक्रमों में मोदी जी तथा उनके करिश्में को जीवित रखने में कांग्रेस की भी बड़ी भूमिका है, कांग्रेस अब ऐसे शून्यकाल में पहुंच गई है, जहां से उसे लौटना या लौटाकर लाना दुष्कर कार्य है, इसी स्थिति का फायदा 'मोदी मैजिक' उठा रहा है और बिना किसी प्रतिद्वदिता के वह आगे बढ़ रहा है, मोदी जी का सबसे अहम् प्रयास यही है कि अगले लोकसभा चुनावों के पहले स्वयं को मजबूत करके देश को यह दिखा दिया जाए कि अब उनके सामने उनका कोई प्रतिद्वन्दी नही रहा है तथा उनका कोई विकल्प देश में शेष नहीं बचा है, और यह 'मोदी मैजिक' का मुख्य उद्धेश्य भी है।

वैसे भी भारत में राष्ट्रीय स्तर के दो ही राजनीतिक दल है, भारतीय जनता पार्टी और कांग्रेस और ऐसे में यदि कांग्रेस गुमनामी के अंधेरे कूप में समा जाती है या उसे उस कूप में धक्का दे दिया जाता है तो फिर देश में मोदी जी व उनकी भाजपा के अलावा बचता ही कौन है, इसीलिए कांग्रेस की नैतृत्व हीनता का पूरा फायदा उठाकर मोदी जी अपनी राजनीतिक चाले चल रहे है।

....और देश में आज यह सब जो कुछ भी हो रहा है या किया जा रहा है यह और कुछ नहीं राजनीति में जीवित रखने या रहने की स्पर्द्धा मात्र है और इसमें कोई दो राय नही कि कांग्रेस इसमें 'मोदी मैजिक' के कारण काफी पिछड़ रही है, और यदि कांग्रेस को कोई 'संजीवनी' देने वाला नहीं मिल पाया तो मौजूदा शून्य नैतृत्व के चलते डेढ़ सौ साल पुरानी देश की सबसे बुजुर्ग राजनीतिक पार्टी की मौत हो जाएगी और फिर दूसरे दल मौत का शौक नहीं मनाएगें बल्कि तालियां बजाकर नाचेगें, यदि कांग्रेस समय पर अभी भी नहीं संभली तो फिर ताली बजाकर नाचने वाला परिदृष्य ज्यादा दूर नहीं है। (लेखक-ओमप्रकाश मेहता/ ईएमएस)

ईमानदारी से कमाया पैसा बरकत देता ह

(लेखक - नरेन्द्र भारती)

कहते है ईमानदारी से कमाया पैसा बरकत देता है।ईमानदार आदमी अपने मानवता के लिए किए गए पुनीत कार्यो से अमर हो जाता है।समाज में ईमानदारों की मिसाले दी जाती है। ईमानदारी के रास्तें में मुसीबते बहुत है लेकिन ईमानदारी से किए गए कार्यों के बाद जो खुशी होती है उसे करोडों रुपयों से भी हासिल नहीं किया जा सकता।ईमानदार आदमी पहले दुसरों का भला सोचता है कि कौन असली जरुरतमंद है।ईमानदार समाज के हित में अपना जीवन सर्मपित कर देता है।ईमानदारी कर कोई सानी नहीं है।ईमानदारी युंगों-यंगों तक रहती है।ईमानदारी की कभी हार नहीं होती। ईमानदारी एक अच्छी नीति है।आज ईमानदार लोगों की खिल्ली उडाई जाती है।ईमानदारों के खिलाफ पड़यन्त्र रचे जाते है मगर ईमानदारों पर आंच नहीं आती।ईमानदारी की हमेशा जीत हुई है।यह एक शाश्वत सत्य है। ईमानदार आदमी द्वारा समाज के लिए निस्वार्थ भाव से किए गए महान कार्यो के लिए समाज उसे युगों युगों तक याद रखता है। वर्तमान समाज में ईमानदारी पर बेईमानी हावी होती जा रही है मगर बेईमानी औधें मुह गिर जाती है।सांच को आंच नहीं आती।ईश्वर भी ईमानदारों का साथ देता है। समाज की रचना के लिए सादगीपूर्ण जीवन जीने की कोशिश करनी चाहिए।मानव को हमेशा समानता व एक समान व्यवहार करना चाहिए। क्योकि जो आदमी भेदभाव करता है वह मानवता के नाम पर कलंक है।कहते है कि व्यक्ति को अपना अतीत नहीं भूलना चाहिए भले ही आदमी कितनी ही उंचाईयां छू लें।एक कहावत है कि मानव कितना भी अमीर हो जाए वह अपना अतीत नहीं खरीद सकता? आज दुनिया में कुछ ऐसे लोग है जो कभी दाने-दाने को मोहताज थे। मानव को सदा अच्छे कर्म करने चाहिए क्योकि अगर तुम अच्छा करोगे अच्छाई ही मिलेगी दुनिया युगों-युगों तक याद रखेगीं।अभावग्रस्त लोगों की सहायता करनी चाहिए।भूखे को रोटी खिलाओं,जरुरतमंदो की सेवा से बड़ा कोई धर्म नहीं है।हमेशा अच्छा करोगे तो अमर हो जाओगे। अगर तुम किसी का अच्छा नहीं कर सकते तो बुरा भी मत करो किसी को मत सताओ।पैसे से गुजरा हुआ समय खारीदना नामुमकिन है। पैसा ही सब कुछ नहीं होता मगर आज रिश्ते तराजू पर तोले जाते है अगर कोई गरीब है तो उसके साथ भेदभाव किया जाता है।वक्त बदलते देर नही लगती इसलिए आदमी को अपना अतीत याद करते रहना चाहिए।ताकि विपतीयो का अहसास होता रहे। वर्तमान परिवेश में मानव इतना स्वार्थी व मौकापरस्त होता जा रहा है कि खुद को खुदा से उपर समझने लगा है। आज वह भगवान के साथ छल -कपट तक करने से नहीं चुकता मगर जब उसकी मार पडती है तो होश ठिकाने आ जाते हैं। ऐसे लोगों के आदमियों की पहचान नहीं होती कि कौन अच्छा है कौन बुरा है। आज चापलूस लोगों का बोलबाला हो गया है लेकिन खुदा सब देख रहा है समय ने करवट बदली और उनका भाग्य भी बदल गया लेकिन वह लोग अपनी औकात भूल गये कि एक समय ऐसा भी था कि उनके पास एक जोडी कपडे होते थे।खाने के लाले पडे होते थे। आज अच्छे दिन आ गये तो अपनों को भूल गये और हवा में उडने लगें लेकिन असली व नकली पंखों में फर्क होता है कार-कोठी को ही जीवन का लक्ष्य मान अन्य लोगो कों को नीचा दिखाने की कोशिश में लगे व्यक्तियों की पोल आखिकार खुल जाती है, समाज में आत्मकेन्द्रीत लोगों का जमावडा बढता जा रहा है ऐसे लोग सिर्फ अपनों के सिवाय दूसरों का अच्छा नहीं कर सकते ऐसे लोग जानवरों से भी बदतर हैं।एक पत्थर सिर्फ एक बार मंदिर जाता है और भगवान बन जाता है इंसान हर रोज मंदिर जाते है फिर भी पत्थर ही रहते हैं प्रत्येक इन्सान का एक स्वाभिमान होता है उसे बनाए रखना चाहिए भले ही कितनी ही विपति आ जाए अपना स्वाभिमान बरकरार रखना चाहिए मानव को अपने स्वाभिमान के आसू हर जगह नहीं बहाने चाहिए।जीवन में हम अनेक सुख-दुख देखते है,परन्तु क्या हमने किसी और के लिए कुछ करने के बाद सच्चे सुख की अनुभूति की है दूसरों को अपनी सामथ्र्य के अनुसार दीजिए ,खासकर उन्हे जो अनेक चीजों से वंचित ही रहे या जिन्हे दुख के सिवाय कुछ भी नहीं मिला। आप महसूस करेगें कि परोपकार का काम करने के बाद आपके होंठों पर आई मुस्कराहट दुनियाभर की दौलत से भी मंहगी होगी।मानव नंगा आता है नंगा ही चला जाता है इस संसार में जो पैदा हुआ है उसे एक दिन इस नश्वर संसार को छोडना ही है आधुनिक युग में जीवन मूल्यों में गिरावट समाज में विष घोल कुंठा उत्पन्न कर रही है तनिक लाभ के लिए लोग अपना जमीर बेच रहे हैं। मानव को अपनी मर्यादा में रहना चाहिए।समय बहुत ही बलवान है वक्त के थपेडों से कोई नहीं बच पाया है।कहते अपने ही काम आते है मगर आज आदमी ही आदमी से नफरत कर रहा है कुते बिस्किट खा रहे है मगर मानव भूख से त्रस्त है क्या मजाल की कोई भूखे को रोटी का निवाला दे। आदमी नरभक्षी बनता जा रहा है प्रतिदिन शराब,मांस ,मदिरा का प्रयोग कर रहा है। इंसान फितरती होता जा रहा है। मानव विलासिता पर धन खर्च कर रहा है। सुख में तो सभी साथ होते है मगर दुख में साथ छोड देते है ,आदमी आज गिरगिटों की तरह रंग बदलता है। आज मानव मतलब निकल जाने पर पहचानने से इन्कार कर देता है। आज मानव ने भले ही कितनी प्रगति कर ली है मगर सोच वही सामंतवादी है। आदमी को सादगी व उच्च विचारों मे विश्वास रखना चाहिए। अतः प्रत्येक इन्सान की जितनी सहायता हो सके करनी चाहिए। आदमी को कभी भी किसी का निरादर नहीं करना चाहिए ,प्रत्येक मानव का आदर -सत्कार करना चाहिए। जीवन एक बार बार-बार नहीं मिलता है, आदमी को समय से डरना चाहिए क्योकि वक्त का कोई पता नहीं कि कब कौन मिट्टी में मिल जाए।हमेशा सत्य के मार्ग पर चलना चाहिए क्योकि सच्चाई की सदा जीत हुई है।यह अटल सत्य है।समाज में बेईमानों का सत्यनाश हुआ है। खुदा के घर में देर है अन्धेर नहीं है।ईमानदारी की सदा ही विजय हुई है।(वरिष्ठ पत्रकार एवं स्तम्भकार)

शीत लहरी में समस्या बनते धुआं, धुंध और धूल

साधन संपन्न लोगों के लिये बेशक सर्दी का मौसम प्रकृति प्रदत्त एक अनमोल सौगात है। क्योंकि वे अपनी सुविधानुसार गर्म कपड़ों, मंहगे कंबल रज़ाई, घरों में तापमान गर्म रखने के लिये विभिन्न प्रकार के ब्लोअर , हीटर आदि यहाँ तक कि अपनी गाड़ियों में भी गर्म हवा की सारी व्यवस्था कर पाने की आर्थिक सामर्थ्य रखते हैं। परन्तु ठीक इसके विपरीत मंहगाई के इस दौर में जबकि इंसान का दो वक़्त की रोटी का प्रबंध कर पाना भी मुश्किल हो रहा हो, ऐसे में कोई भी ग़रीब आदमी सर्दियों से बचने के लिये इस तरह की सुविधाओं की बात सोच भी नहीं सकता। परन्तु वह ग़रीब व्यक्ति या उसका परिवार भी शीत लहरी के प्रकोप से स्वयं को बचाने के उपाय ज़रूर ढूंढता है। और किसी ग़रीब या बेघर व्यक्ति के लिये सर्दियों से बचने का सबसे सुगम सस्ता व उपलब्ध साधन होती है आग। अक्सर देखा गया है कि शीतलहरी का प्रकोप बढ़ने पर ठण्ड से अधिक प्रभावित होने वाली विभिन्न राज्य सरकारें ऐसे ग़रीबों व बेघर लोगों की सुविधा के लिये सार्वजनिक स्थलों पर अलाव जलाने का भी प्रबंध करती हैं। परन्तु सही मायने में भारत जैसे विशाल देश में ख़ास कर उत्तर भारत के शीत लहरी प्रभावित घनी आबादी वाले राज्यों में हर ग़रीब व बेघर तक न तो सरकार के अलाव की आंच पहुँचती है न ही सरकार द्वारा अलाव जलाने हेतु आवंटित पूरी धनराशि लकड़ियां ख़रीदने पर ख़र्च की जाती होंगी।

इसी ठण्ड से बचने के लिये जब ग़रीबों, भिखारियों व बेघर लोगों को कुछ नहीं सूझता तो वे जगह जगह झुण्ड के रूप में इकट्ठे होकर स्वयं आग जलाने की व्यवस्था करते हैं। परन्तु इनके द्वारा जलाई गयी आग में अधिकांशतः पॉलीथिन, प्लास्टिक, पाऊच, दूध की ख़ाली थैलियां यहाँ तक कि रबड़, टायर टयूब और पानी व कोल्ड ड्रिंक की बोतलें जैसी ज़हरीला धुआं छोड़ने वाली वस्तुयें जलाई जाती हैं। इसके दुष्प्रभाव से अनजान इस वर्ग को इस बात का ज्ञान ही नहीं कि उनके द्वारा जलाई गयी सामग्री से उठने वाला जानलेवा धुआं न केवल उनके अपने लिये धीमा ज़हर का काम कर रहा है बल्कि यह आस पास के पूरे वातावरण को भी प्रदूषित कर रहा है और दूसरे तमाम राहगीरों या उस क्षेत्र के निवासियों के स्वास्थ के लिये भी समस्या खड़ी कर रहा है। यह स्थिति उन दिनों में और भी ज़्यादा भयावह हो जाती है जब सर्दियों के दिन और रातें घने कोहरे और धुंध की चादरों में लिपटी होती हैं। इस मौसम में प्रायः हवा भी नहीं चलती और उसी धुंध में यह ज़हरीला धुआं मिलकर वातावरण को इतना दुर्गन्धयुक्त, ज़हरीला व प्रदूषित बना देता है कि आम लोगों का सांस लेना भी मुश्किल हो जाता है। दमा, अस्थमा, सांस व कफ़ खांसी के मरीज़ों का तो इस वातावरण से गुज़ारना ही गोया मौत को दावत देने के सामान है।

ज़हरीले धुयें के दुष्प्रभाव से केवल ग़रीब अनपढ़ या भिखारी बेघर वर्ग ही अनभिज्ञ नहीं बल्कि अक्सर यह भी देखा गया है कि स्थानीय नगर पालिकाओं के सफ़ाई कर्मचारी भी झाड़ू से कूड़ा इकठ्ठा कर जगह जगह उसकी ढेरियां बना कर ख़ुद ही अपने हाथों से उसमें आग लगा देते हैं। उस कूड़े के ढेर में भी अधिकांशतः प्लास्टिक, पॉलीथिन, पन्नी व रबड़ आदि ही रहता है जोकि ज़हरीला धुआं छोड़ता है। मज़े की बात तो यह है कि एक बेघर या ग़रीब व्यक्ति तो केवल सर्दियों में अपने को शीतलहरी से बचाने के लिये प्लास्टिक, रबड़ आदि जलाता है परन्तु सफ़ाई कर्मचारी और कबाड़ का काम करने वाले वे लोग जो रबड़ की तारों को जलाकर उसमें से तांबे के तार निकालते हैं, वे तो वर्ष भर अपने इसी प्रदूषण फैलाओ अभियान में लगे रहते हैं ? और प्रशासन व सरकारें मूक दर्शक बनकर आज़ाद देश के इन आज़ाद नागरिकों की करतूतों को देखती व नज़रअंदाज़ करती रहती हैं ।

और जब इसी धुंध और धुएं में धूल भी शामिल हो जाये फिर तो सरकारें और डॉक्टर्स सभी यही सलाह देने लगते हैं कि अनावश्यक रूप से घरों से बाहर न निकलें। ऐसे ही अत्यंत प्रदूषित व स्वास्थ के लिये ख़तरनाक वातावरण में सरकारें स्कूलों में छुट्टियां घोषित कर देती हैं। निर्माण कार्य बंद कर दिए जाते हैं। रेत, मिट्टी, बजरी आदि गृह निर्माण की ऐसे सामग्री जिसके आवागमन से मार्ग में प्रदूषण फैलता हो उन्हें प्रतिबंधित कर दिया जाता है। दिल्ली जैसे घने राज्य में तो सम-विषम नंबरों के आधार पर यातायात को इसलिए नियंत्रित करने का प्रयास किया जाता है ताकि वातावरण में धुआं नियंत्रित किया जा सके। किसानों को अपने खेतों में पराली तथा फ़सलों के अवशेष जलाने से रोका जाता है। इसके लिये क़ानून भी बनाये गये हैं। इसके अतिरिक्त हमारे धर्म प्रधान देश में धूप अगरबत्ती, लोबान, हवन दिया बाती आदि के माध्यम से तो पूरे देश में ही प्रदूषण होता ही रहता है। परन्तु धर्म भीरुओं की मानें तो उनके द्वारा फैलाया जाने वाला प्रदूषण, प्रदूषण नहीं बल्कि वातावरण को शुद्ध करने वाला पवित्र धुआं होता है।

ठीक इसके विपरीत दुनिया में अनेक जागरूक देश ऐसे भी हैं जहाँ किसी भी प्रकार का धुआं फैलाना अपराध की श्रेणी में गिना जाता है। यह कहने की ज़रुरत नहीं कि ऐसे देश शिक्षित, जागरूक, अन्धविश्वास से दूर और आर्थिक रूप से संपन्न भी हैं। ऐसे देशों की सरकारें अपने नागरिकों के लिये हर प्रकार की सुविधाएं मुहैया कराती हैं। बेशक ग़रीबी वहां भी है परन्तु उनकी स्थिति ऐसी दयनीय भी नहीं कि उन्हें सड़कों से पॉलीथिन, प्लास्टिक, रबड़ या प्लास्टिक की बोतलें चुनकर जलानी पड़ें और इस तरह सर्दियों में अपनी जान बचानी पड़े। न ही वहां का कबाड़ी या सरकारी अमला कूड़े इकठ्ठा कर उनमें आग लगाकर प्रदूषण फैलता है। बजाये इसके ऐसे देश वृक्षारोपण पर ज़्यादा तवज्जोह देते हैं।

लिहाज़ा यह सरकार की ज़िम्मेदारी है कि वह अपने नागरिकों की सुविधा व स्वास्थ की चिंता पूरी ईमानदारी से करे। ग्राम पंचायत स्तर से लेकर शहरी वार्ड स्तर तक रेलवे स्टेशन पार्क व अन्य सभी सार्वजनिक स्थलों पर रहने वाले ग़रीबों भिखारियों व बेघर लोगों को शीत लहरी से बचाने की प्रभावी व्यवस्था करे। चाहे उनके लिये समुचित आश्रय स्थल बनाकर या लकड़ियों के अलाव जलाकर। इसके अतिरिक्त सफ़ाई कर्मियों द्वारा कूड़ा इकठ्ठाकर जलाये जाने की प्रवृति पर भी अंकुश लगाया जाये। साथ ही एक निगरानी तंत्र विकसित किया जाये जो अनावश्यक रूप से उठने वाले धुंए पर नज़र रख सके। साथ ही अकारण व अवांछित धुआं करने वालों के विरुद्ध कार्रवाई की जाये। क्योंकि प्रत्येक वर्ष शीत लहरी के दिनों में धुआं, धुंध और धूल आम लोगों के स्वास्थ के लिये एक बड़ी समस्या बन जाते हैं। (ले?खिका - निर्मल रानी/ईएमएस)

आज का इतिहास 9 दिसंबर

1825 प्रसिद्ध क्रांतिकारी राव तुलाराम का जन्म हुआ..
1824 पेरू युद्ध के बाद स्वतंत्र हुआ.
1868 विलियम एवार्ट ग्लैडस्टोन ब्रिटेन के पहले प्रधानमंत्री बने.
1946 संविधान सभा की पहली बैठक संविधान कक्ष में हुई.
1965 स्काटलैंड नरेश मैल्कम चतुर्थ की मौत के बाद विलियम प्रथम गद्दी पर बैठे.
1941 ब्रिटिश सैनिकों ने उत्तरी अफ्रीका में जवाबी कार्यवाही की.
1958 अमरीका में साम्यवाद के खिलाफ संघर्ष के लिए जान बर्च सोसायटी की स्थापना हुई.
1965 निकोलाई पोदगोनी अनास्तस मिकोयान के स्थान पर सोवियत संग के राष्ट्रपित बने.
1985 अर्जेन्टीना के पूर्व राष्ट्रपति जार्ज बिडेल और उनके साथियों को वामपंथी छापामारों के खिलाफ संघर्ष गलत भूमिका निभाने के लिए आजीवन जेल की सजा दी गई.
1987 गाजा पट्टी में फिलीस्तीनियों का पहला दंगा भड़का.
1991 लेक वालेशा पोलैंड के राष्ट्रपति बने.
1994 ब्रिटिश सरकार और आयरिश रिपब्लिकन आर्मी की सहयोगी सिन फेन के बीच 7 वर्ष बाद पहली बार बातचीत हुई.
1997 ज्ञानपीठ पुरस्कार से सम्मानित लेखक शिवराम कारंत का निधन.
2000 अमरीकी सुप्रीम कोर्ट ने मतों की हाथ से गिनती पर तुरंत रोक लगा दी, जिससे राष्ट्रपति चुनावों में जार्ज बुश का पलडा भारी हो गया.
2003 सदाबहार अभिनेता देव आनंद को दादासाहेब फाल्के पुरस्कार.

शब्द पहेली - 7851

बाएँ से दाएँ

1. प्राणेंद्रिय-2
2. लंबी गर्दन वाला पशु-3
4. आफत, मुसीबत-2
6. लाचार-3
7. आसरा, मदद-3
8. आश्रय, शरण-3
9. राज कपूर की पोती-3
10. कर्म, भाग्य-3
11. दासत्व, गुलामी-3
13. आर्टिकल-2
14. इच्छा, लालसा-3
15. दुगना, दोगुना-2
16. भार-3
17. टेसू के फूल-3
18. राजा का भवन-3
19. चौकसी-2
20. प्रेमी, साजन-3
21. कैनाल, उपनदी-3
23. जीवन सत्व, प्राण-2
24. प्रहार, आक्रमण-3
25. ठाठ-बाट-2

ऊपर से नीचे

1. अभिमान-2
2. मारना, वध करना-2
3. नृत्य, कृष्णलीला-2
4. अपव्यय करना-3
5. वेस्टइंडीज का कप्तान-2
6. अज्ञात, अनाम-3
7. नदी, दरिया-3
8. जांच, परीक्षण-3
9. परीक्षा करना-3
10. जिगर-3
11. आंचल-3
12. नाश, विध्वंस-3
14. अंजन, नेत्रांजन-3
15. लाडला-3
16. शक, संदेह-3
17. तीन घंटे का समय-3
18. चिंतन-3
19. प्रथम-3
20. दंड, शिक्षा-2
21. आंशिक भीगा हुआ-2
22. प्राण, जीवन तत्व-2

शब्द पहेली - 7850 का हल

Jagrutidaur.com, Bangalore

आगामी आईपीएल टी20 विश्व कप का खोल सकता है दरवाजा

-कई खिलाडियों की नजरें आईपीएल पर टिकी

नई दिल्ली (ईएमएस)। कई खिलाड़ियों के लिए आगामी आईपीएल टी20 विश्व कप का दरवाजा खोल सकता है। आईपीएल 2024 के 17वें सीजन का काउंटडाउन शुरू हो चुका है। कई खिलाडियों की नजरें आईपीएल पर टिकी हुई हैं।

इनमें संजू सैमसन और जितेश शर्मा आदि प्रमुख हैं। ये दोनों खिलाड़ी विकेटकीपर बैटर हैं। जो आईपीएल में शानदार प्रदर्शन कर चयनकर्ताओं का ध्यान अपनी ओर खिंचना चाहेंगे। संजू और जितेश के साथ केएल राहुल भी तगड़े दावेदार हैं। राहुल को कुछ भी साबित करने की जरूरत नहीं है लेकिन संजू और जितेश को आईपीएल में दमदार प्रदर्शन करना होगा। संजू सैमसन पिछले कुछ समय से टीम इंडिया से अंदर बाहर होते रहे हैं। वनडे विश्व कप 2023 से पहले उन्हें आयरलैंड के खिलाफ टी20 सीरीज के लिए टीम में चुना गया था। अब चूंकि टी20 वर्ल्ड कप के आयोजन में 6 महीने का समय बचा है, ऐसे में संजू को साउथ अफ्रीका के खिलाफ वनडे सीरीज में मौका मिला है।

संजू को इस सीरीज और आगामी आईपीएल में दमदार प्रदर्शन करना होगा तभी वह टी20 विश्व कप के लिए अपनी दावेदारी ठोक सकते हैं। टी20 विश्व कप का आयोजन अगले साल जून में वेस्टइंडीज में जोगा। संजू सैमसन ने 24 टी20 इंटरनेशनल मैचों में एक अर्धशतक के साथ 374 रन बनाए हैं। उनकी औसत 20 की रही है।जितेश शर्मा को बतौर विकेटकीपर ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टी20 सीरीज में मौका दिया गया था जहां इस युवा विकेटकीपर ने प्रभावित किया। जितेश ने ऑस्ट्रेलियाई पेस बैटरी के सामने रन बनाए। हालांकि टी20 वर्ल्ड कप टीम में शामिल होने के लिए उन्हें कड़ी फाइट करनी पड़ेगी। भारतीय चयनकर्ताओं के पास टी20 विश्व कप के लिए बतौर विकेटकीपर के रूप में ढेरों विकल्प हैं।

टीम में केएल राहुल, संजू सैमसन, ईशान किशन के रूप में विकेटकीपर मौजूद हैं।अनुभवी विकेटकीपर केएल राहुल को ईशान किशन से तगड़ी फाइट मिलेगी। चयनकर्ता ईशान किशन को टी20 में ज्यादा मौके दे रहे हैं। ईशान 32 टी20 इंटरनेशनल मैचों में 25 की औसत से रन बना रहे हैं वहीं 72 टी20 मैचों में लगभग 38 की औसत से रन बना रह हैं। राहुल की जगह चयनकर्ता युवा खिलाड़ी को मौका देना चाहेंगे।

खेल - समाचार

आईसीसी ने वर्ल्ड कप फाइनल की पिच को औसत करार दिया

मुंबई (ईएमएस)। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच आईसीसी क्रिकेट वर्ल्ड कप 2023 का फाइनल मैच 19 दिसंबर को नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेला गया। अब आईसीसी ने उस पिच पर अपनी रेटिंग देकर चौंका दिया है। आईसीसी ने वर्ल्ड कप फाइनल की पिच को औसत करार दिया है। आईसीसी मैच रेफरी और जिम्बाब्वे के पूर्व बल्लेबाज एंडी पाइक्रॉफ्ट ने हालांकि मैदान की आउटफील्ड को बहुत अच्छा करार दिया। जिस पिच पर फाइनल खेला गया वह काफी धीमी थी। ऑस्ट्रेलिया ने फाइनल में भारत को 6 विकेट से हराकर खिताब जीता था। भारतीय टीम पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 50 ओवर में केवल 240 रन बना सकी। ऑस्ट्रेलिया ने 43 ओवर में लक्ष्य हासिल कर दिया। उसकी तरफ से सलामी बल्लेबाज ट्रेविस हेड ने 120 गेंद पर 137 रन की लाजवाब पारी खेली।

भारत ने सेमीफाइनल में वानखेड़े स्टेडियम कि जिस पिच पर न्यूजीलैंड का सामना किया था, आईसीसी ने वानखेड़े की पिच को अच्छी' रेटिंग दी है। इस मैच से पहले हालांकि मीडिया की रिपोर्ट में कहा गया था कि कि भारत ने पिच बदलवा दी थी और यह मैच नई पिच के बजाय पहले इस्तेमाल की गई पिच पर खेला गया था।

आईसीसी ने कोलकाता के ईडन गार्डंस की उस पिच को भी औसत करार दिया है, जिस पर ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका के बीच दूसरा सेमीफाइनल खेला गया था। इस कम स्कोर वाले मैच में ऑस्ट्रेलिया ने दक्षिण अफ्रीका को 49.4 ओवर में 212 रन पर समेट दिया था। ऑस्ट्रेलिया ने इसके बाद 47.2 ओवर में सात विकेट होकर लक्ष्य हासिल किया था।

गुजरात टाइटंस के खिलाड़ी राहुल तेवतिया की धमाकेदार बैटिंग से सुर्खियां में

नई दिल्ली (ईएमएस)। विजय हजारे ट्रॉफी में राहुल तेवतिया अपनी धमाकेदार बैटिंग से सुर्खियां बटोर रहे हैं। टूर्नामेंट के हरियाणा की ओर से खेल रहे तेवतिया ने सात मैचों की चार पारियों में अब तक 142.06 के स्ट्राइक रेट से 304 रन बनाए हैं। खास बात यह है कि इन चारों पारियों में तेवतिया नाबाद रहे हैं। आईपीएल 2024 के सीजन के पहले तेवतिया का यह फॉर्म उनकी टीम गुजरात टाइटंस के लिए अच्छी खबर है। बैटिंग के अलावा गेंदबाजी में भी अच्छा प्रदर्शन कर अब 9 विकेट ले चुके हैं। हरियाणा ने विजय हजारे ट्रॉफी में अपने अभियान की शुरुआत 23 नवंबर को उत्तराखंड के खिलाफ मैच में छह विकेट जीत के साथ की। इस मैच में तेवतिया को बैटिंग का तब मौका नहीं मिला लेकिन गेंदबाजी में उन्होंने 29 रन देकर दो विकेट लिए। तेवतिया ने अब तक टूर्नामेंट के मैचों में चंडीगढ़ के खिलाफ नाबाद 58,मिजोरम के खिलाफ नाबाद 80, दिल्ली के खिलाफ नाबाद 99 और जम्मू-कश्मीर के खिलाफ नाबाद 67 रनों की पारी खेली है। अपनी गेंदबाजी से भी वे टीम की जीत में योगदान दे रहे हैं।

गेंदबाजी में तेवतिया ने अब तक 32 ओवर में 155 रन देकर 9 विकेट (औसत 17.22) अपने नाम किए हैं। इस दौरान उनकी इकोनॉमी 4.84 और स्ट्राइक रेट 21.33 का रहा है। 53 रन देकर तीन विकेट टूर्नामेंट में उनका अब तक सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है।

77 खिलाड़ियों की खरीद के लिए दुबई में 19 दिसंबर को सजेगी आईपीएल की मंडी

गुजरात टाइटंस फ्रेंचाइजी सबसे ज्यादा पैसा करेगी खर्च

मुंबई (ईएमएस)। आईपीएल 2024 ऑक्शन का आयोजन पहली बार देश के बाहर हो रहा है। 19 दिसंबर को दुबई के कोका कोला एरिना में ऑक्शन का आयोजन होगा। नीलामी के लिए इस बार 1166 खिलाड़ियों ने अपना नाम रजिस्टर्ड कराया है। इस बार नीलामी का आयोजन एक दिन का है। इसके पहले इसका आयोजन दो दिन का होता रहा है। ऑक्शन में अधिकतम 77 खिलाड़ी ही खरीदे जाएंगे। गुजरात टाइटंस फ्रेंचाइजी सबसे ज्यादा पर्स के साथ ऑक्शन में उतरेगी। जीटी के पर्स में 38.15 करोड़ हैं, वहीं लखनऊ सुपर जाइंट्स के पर्स में सबसे कम 13.15 करोड़ है।

आईपीएल 2024 ऑक्शन के लिए जिन खिलाड़ियों ने अपना नाम रजिस्टर्ड कराया है, उसमें 830 भारतीय हैं, जबकि 336 ओवरसीज खिलाड़ी हैं। इसमें 909 अनकैप्ड और 212 कैप्ड खिलाड़ी शामिल हैं। 45 एसोसिएट देश के खिलाड़ियों ने अपना नाम पंजीकरण कराया है। न्यूजीलैंड के उभरते ऑलराउंडर रचिन रवींद्र और वर्ल्ड कप फाइनल के हीरो ट्रेविस हेड पर पैसों की बरसात हो सकती है। मिचेल स्टार्क पर भी फ्रेंचाइजी में खरीदने की होड़ होगी। ऑक्शन का टीवी पर लाइव टेलीकास्ट स्टार स्पोर्ट्स नेटवर्क पर होगा। ऑक्शन की लाइव स्ट्रीमिंग मोबाइल पर जियो सिनेमा एप्प पर देख सकते हैं।

आज होगा अरबनाइजर्स हैदराबाद और मणिपाल टाइगर्स के बीच फाइनल

नई दिल्ली (ईएमएस)। सुरेश रैना की कप्तानी वाली अरबनाइजर्स हैदराबाद की टीम लीजेंड्स लीग 2023 के फाइनल में मणिपाल टाइगर्स से भिड़ेगी जिसकी अगुआई दिग्गज स्पिनर हरभजन सिंह कर रहे हैं। मणिपाल टाइगर्स टीम ने क्वालीफायर 2 में गौतम गंभीर की टीम इंडिया कैपिटल्स को 6 विकेट से हराकर हैदराबाद संग खिताब भिड़ंत तय की। हैदराबाद और मणिपाल टाइगर्स की टीम क्वालीफायर 1 में टकरा चुकी हैं, जहां हैदराबाद ने 75 रन से जीत दर्ज कर फाइनल में धमाकेदार एंट्री मारी। मणिपाल टाइगर्स को हैदराबाद के खूंखार बल्लेबाज ड्वेन स्मिथ को जल्द आउट करना होगा जो लीग इतिहास का सबसे तेज शतक जड़ चुके हैं। फाइनल शनिवार को सूरत के लालभाई कॉन्ट्रेक्टर स्टेडियम में शाम 6:30 बजे से खेला जाएगा।

मणिपाल टाइगर्स ने क्वालीफायर 2 मैच में पहले बैटिंग कर 9 विकेट पर 177 रन बनाए। कप्तान गौतम गंभीर का बल्ला खामोश रहा। गंभीर 10 रन बनाकर पवेलियन लौटे। टॉप के 4 बैटर 30 का आंकड़ा भी नहीं छू सके। इंग्लैंड के पूर्व कप्तान केविन पीटरसन ने 27 गेंद में 56 रन की आतिशी पारी खेली। उन्होंने इस दौरान 5 छक्के और 2 चौके लगाए। मणिपाल टाइगर्स की ओर से थिसारा परेरा और मैक्लाघन ने 3-3 विकेट लिए।

178 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी मणिपाल टाइगर्स ओर से ओपनर चैडविक वेल्टन ने 18 गेंद में 5 चौकों और एक छक्के की मदद से 33 रन बनाए। एंजेलो परेरा 30 रन बनाकर आउट हो गए। हालांकि असेला गुणारत्ने ने टीम की जीत का जिम्मा उठाया और मैच विनिंग पारी खेली। परेरा ने 27 गेंद में 35 रन ठोक दिए। असेला गुणारत्ने 39 रन बनाकर नाबाद लौटे वहीं कोलिन डी ग्रैंडहोम ने 24 गेंदों पर नाबाद 38 रन बनाए। इसके पहले सुरेश रैना की टीम हैदराबाद ने क्वालीफायर 1 में मणिपाल के खिलाफ शानदार जीत दर्ज की थी। उस मैच में 40 साल के विंडीज के पूर्व विस्फोटक ओपनर ड्वेन स्मिथ ने 42 गेंदों पर शतक ठोककर रिकॉर्ड बुक को तहस नहस कर दिया था। स्मिथ ने लीजेंड्स लीग इतिहास का सबसे तेज शतक ठोका।

टेस्ट क्रिकेट से संन्यास नहीं लेंगे स्टीव स्मिथ

- मैनेजर ने उठाया सच्चाई से पर्दा

सिडनी (ईएमएस)। साथी डेविड वार्नर की तरह स्टीव स्मिथ टेस्ट क्रिकेट से संन्यास नहीं लेंगे। ऑस्ट्रेलिया के इस पूर्व कप्तान को लगता है कि वह अब भी काफी कुछ हासिल कर सकते हैं। स्मिथ के मैनेजर की भूमिका निभा रहे वारेन क्रेग ने इसकी पुष्टि की है। तीन जनवरी 2024 से पाकिस्तान के खिलाफ वार्नर ने सिडनी में शुरू हो रहे तीसरे और अंतिम टेस्ट के साथ इस प्रारूप को अलविदा कहने की इच्छा जताई है।

इस तरह की चर्चा थी कि भारत और इंग्लैंड के खिलाफ इस साल उम्मीद के मुताबिक प्रदर्शन नहीं कर पाने के बाद स्मिथ भी संन्यास ले सकते हैं। न्यू साउथ वेल्स के इस बल्लेबाज का टेस्ट क्रिकेट में औसत अपने युग के बल्लेबाजों में सर्वश्रेष्ठ है लेकिन मौजूदा सत्र में उन्हें बड़ी पारियां खेलने के लिए जूझना पड़ा है। स्मिथ ने 102 टेस्ट में 32 शतक से 58.61 की औसत से 9320 रन बनाए हैं। क्रेग ने हालांकि इन अटकलों को अधिक तवज्जो नहीं दी। क्रेग के हवाले से कहा गया, 'इस समय मैं इसे (संन्यास की चर्चा) खारिज कर सकता हूं। वह अब भी उन चीजों के बारे में बात करता है जिन्हें वह हासिल करना चाहता है।

इस 34 साल के बल्लेबाज ने अपने शानदार करियर के दौरान प्रत्येक ट्रॉफी जीती है जिसमें एशेज (तीन बार), एकदिवसीय विश्व कप (2015 और 2023), टी20 विश्व कप (2021) और विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (2023) शामिल है। इस साल हालांकि स्मिथ 17 पारियों में 34.53 की औसत से सिर्फ 518 रन बना पाए हैं। स्मिथ 10 हजार टेस्ट रन बनाने वाला चौथा ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज बनने के करीब हैं और वह इस मौके से चूकना नहीं चाहते। ऑस्ट्रेलिया के लिए टेस्ट क्रिकेट में एलेन बॉर्डर, रिकी पोंटिंग और स्टीव वॉ 10 हजार से अधिक रन बना चुके हैं।

महिला क्रिकेट टीम के लिए इंग्लैंड के खिलाफ आज करो या मरो का मुकाबला

मुंबई (ईएमएस)। पहले मैच में हार से आहत भारतीय महिला क्रिकेट टीम को तीन मैचों की श्रृंखला में बने रहना हैं, तब इंग्लैंड के खिलाफ शनिवार को दूसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में बेहतर प्रदर्शन करना होगा। इंग्लैंड ने पहले मैच में शानदार प्रदर्शन करके 38 रन से जीत दर्ज की और इस तरह से भारत पर दबदबा बनाए रखा। इंग्लैंड की यह भारत के खिलाफ 28 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 21वीं और भारतीय धरती पर 10 मैच में आठवीं जीत थी।

भारतीय टीम पहले मैच में परिस्थितियों से अच्छी तरह तालमेल नहीं बिठा सकी थी और इसके अलावा टीम ने कुछ गलतियां भी की थी जिससे यह मैच एकतरफा बन गया था। सपाट पिच पर गेंदबाजों को खास मदद नहीं मिल रही थी तथा भारत ने चार स्पिनरों का उपयोग किया जिन्होंने कुल मिलाकर 12 ओवर में 121 रन लुटाए। भारत ने बाएं हाथ की दो स्पिनर श्रेयंका पाटिल और सैका इशाक को पदार्पण का मौका दिया लेकिन इन दोनों का अपनी गेंदों पर नियंत्रण नहीं था और वे महंगे साबित हुए। यहां तक की अनुभवी स्पिनर दीप्ति शर्मा भी प्रभावित नहीं कर पाई और उन्होंने अपने कोटे के पूरे चार ओवर भी नहीं किए।

भारत का क्षेत्ररक्षण भी अच्छा नहीं रहा तथा इंग्लैंड की तरफ से शानदार प्रदर्शन करने वाली डैनी वाट और नेट साइवर ब्रंट दोनों को जीवनदान मिले, जो भारतीय टीम को महंगे पड़े। भारत की तरफ से गेंदबाजी में केवल तेज गेंदबाज रेणुका सिंह ने प्रभावशाली प्रदर्शन किया। उन्होंने मैच के पहले ओवर में ही दो विकेट निकालकर भारत को अच्छी शुरुआत दिलाई थी लेकिन टीम इसका फायदा नहीं उठा पाई और उसने इंग्लैंड को वापसी का मौका दिया।

टीम :

भारत : हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना (उप-कप्तान), जेमिमा रोड्रिग्स, शैफाली वर्मा, दीप्ति शर्मा, यास्तिका भाटिया (विकेटकीपर), ऋचा घोष (विकेटकीपर), अमनजोत कौर, श्रेयंका पाटिल, मन्नत कश्यप, सैका इशाक, रेणुका सिंह ठाकुर , तितास साधु, पूजा वस्त्राकर, कनिका आहूजा, मिन्नू मणि।

इंग्लैंड : लॉरेन बेल, मैया बाउचियर, एलिस कैप्सी, चार्ली डीन, सोफिया डंकले, सोफी एक्लेस्टोन, महिका गौर, डेनिएल गिब्सन, सारा ग्लेन, बेस हीथ (विकेटकीपर), एमी जोन्स (विकेटकीपर), फ्रेया केम्प, हीथर नाइट (कप्तान), नेट साइवर-ब्रंट, डेनिएल वाट।

मैच : शाम 7 बजे।

हमजा सलीम ने 14 चौके और 22 छक्के लगाकर मैंच में कर दी रनवर्षा

मुंबई (ईएमएस)। टी10 के मुकाबले में क्रिकेटप्रेमियों को जबर्दस्त 'रनवर्षा' देखने में मिली और एक बड़ा विश्व रिकॉर्ड बना। यूरोपियन क्रिकेट सीरीज (ईसीएस) टी10 के एक मैच में हमजा सलीम दार ने 43 गेंदों पर नाबाद 193 रनों की धुआंधार पारी खेली। जिसमें 14 चौके और 22 छक्के शामिल थे। हमजा ने केटलुन्या जगुआर की ओर से सोहल हॉस्पिटेलेट के खिलाफ यह पारी खेली। यह टी10 क्रिकेट में किसी बैटर की ओर से बनाया गया सबसे अधिक स्कोर है। पिछला रिकॉर्ड ल्युस डु प्लॉय के नाम पर था जिन्होंने टी10 मैच में 163 रन बनाए थे।

हमजा की पारी की बदौलत केटलुन्या जगुआर टीम 10 ओवर्स में बिना विकेट खोए 257 रनों का भीमकाय स्कोर खड़ा करने में सफल हो गई। जवाब में सोहेल हॉस्पिटेलेट की टीम 10 ओवर में अकेले हमजा के स्कोर को भी पार करने में नाकाम रही। टीम 10 ओवर्स में 8 विकेट खोकर 104 रन ही बना पाई और मैच 153 रनों के बड़े अंतर से हारी। टीम के ओपनरों हमजा सलीम दार और यासिर अली ने मैदान में चौकों और छक्कों की बारिश करते हुए बिना आउट हुए ही 10 ओवर में स्कोर 257 रन (25.7 रन प्रति ओवर) तक पहुंचा दिया। जहां हमजा ने 193 रन बनाए, वहीं यासिर ने महज 19 गेंदों पर तीन चौकों और सात छक्कों की मदद से नाबाद 58 रनों की पारी खेली। विपक्षी टीम के सभी गेंदबाजों ने अपने दो ओवर के कोटे में 40 से ज्यादा रन दिए।

नासा को ब्रह्मांड में दिखाई दिया पिशाचा.......जारी की तस्वीर

वाशिंगटन (ईएमएस)। कहते हैं कि यूनिवर्स यानी ब्रह्मांड एक ऐसी जगह है, जो रहस्यों से भरी हुई है। इसके बारे में बहुत कुछ जानने का बावजूद बहुत कुछ ऐसा है, जिससे वैज्ञानिक अभी भी अंजान हैं। यूनिवर्स में कभी प्रकृति के खूबसूरती देखने को मिलती है, तब कभी उसका विकराल रूप सामने आता हैं। हाल में एरोनॉटिकल्स और स्पेस रिसर्च एजेंसी नासा ने इसी यूनिवर्स की जो तस्वीर जारी की वह जितनी खूबसूरत है उतनी ही डरावनी भी।

दरअसल, जेम्स वेब स्पेस टेलीस्कोप से दिखा ये नजारा कुछ ऐसा है जैसे यूनिवर्स में डीप-स्पेस ब्लॉब मॉन्स्टर यानी कोई डरावना पिशाच हो। टेलिस्कोप से प्राप्त तस्वीर में एक विशाल धूल भरी आकाशगंगा दिख रही है जो हर साल सैकड़ों सितारों को जन्म देती है। लेकिन ये कुछ ऐसी शेप में है कि डरावनी लग रही है। ये ऐसी है जैसे इसके दो बड़ी आंखें और खुले मुंह वाला कोई चेहरा हो। इस तस्वीर ने ऑस्टिन में टेक्सास विश्वविद्यालय (यूटी) के खगोलविदों का ध्यान खींच तब उन्होंने दूरबीन के डेटा को विश्लेशित किया। विश्लेषण के बाद उन्होंने ये समझा कि आकाशगंगा बिग बैंग के लगभग 900 मिलियन साल बाद अस्तित्व में आई थी। ध्यान से देखने पर ये गैलेक्सी नहीं बल्कि भूत सी दिखाई पड़ती है, जैसे वह चीख रहा है।

इस खोज से प्रारंभिक ब्रह्मांड के बारे में वैज्ञानिकों की समझ में बदलाव आ सकता है। क्योंकि पहले, उन्होंने सोचा था कि विशाल स्टार नर्सरी दुर्लभ हैं, लेकिन इस गैलेक्सी ने संकेत दिया है कि ये वास्तव में तीन से 10 गुना अधिक दूर तक फैली हो सकती हैं। रिसर्चर जेड मैककिनी ने कहा कि ये गैलेक्सी एक वास्तविक राक्षस कहा जा सकता है, क्योंकि छोटी बूंद की तरह दिखने के बावजूद यह सालाना सैकड़ों नए तारे बनाने के लिए जिम्मेदार है। उन्होंने कहा, और ये दिलचस्प है कि हमारे नए टेलिस्कोप से सबसे संवेदनशील इमेजिंग में इतनी बारीक चीजें भी दिखाई देती हैं। यह हमें बता रहा है कि आकाशगंगाओं की एक पूरी आबादी है जो अभी भी हमारी नजरों से दूर है।

बता दें कि मैककिनी और उनका दल दस लाख आकाशगंगाओं की पहचान करने के टारगेट के साथ, द कॉसमॉस-वेब पहल के लिए ब्रह्मांड का चार्ट बनाने के लिए नासा की जानकारी का उपयोग कर रहे हैं। इस चमकती गैलेक्सी को सबसे पहले जमीन पर दूरबीनों द्वारा खोजा गया था, लेकिन हबल स्पेस टेलीस्कोप द्वारा खींची गई छवियों में कुछ भी न के बराबर दिख रहा था।

वेब टीम ने चिली में एएलएमए टेलीस्कोप का उपयोग करके एक अन्य समूह द्वारा एकत्र किए गए डेटा में इसको देखा था, जिसमें इसे हायर स्पेटियल रिज़ॉल्यूशन है और इनफ्रारेड में देख सकता था। वे इस मेथड का उपयोग करके इसकी लोकेशन को स्पॉट करने में सक्षम थे।

प्रो. ब्रजेश माइक्रोबायोलॉजी डोरोथी जोन्स पुरस्कार से सम्मा?नित

मेलबर्न,(ईएमएस)। स्थलीय जीवन की समझ और वैश्विक पारिस्थितिकी तंत्र के संरक्षण में महत्वपूर्ण योगदान देने के लिए सूक्ष्म जीव विज्ञान का उपयोग करने के लिए भारतीय मूल के ऑस्ट्रेलियाई प्रोफेसर ब्रजेश सिंह को साल 2023 के डोरोथी जोन्स पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। वेस्टर्न सिडनी यूनिवर्सिटी में हॉक्सबरी इंस्टीटयूट फॉर द एनवायरनमेंट के माइक्रोबियल फंक्शनल इकोलॉजी के क्षेत्र में वैश्विक विशेषज्ञ ब्रजेश सिंह को पिछले महीने लंदन में ब्रिटिश मेडिकल एसोसिएशन (बीएमए) हाउस में यह पुरस्कार प्रदान किया गया।

सिंह का मौलिक शोध पर्यावरणीय गिरावट और खाद्य असुरक्षा सहित वैश्विक चुनौतियों का समाधान प्रदान करता है। इसके लिए उन्होंने मिट्टी की विविधता और पारिस्थितिकी तंत्र कार्यों के बीच मात्रात्मक संबंधों की पहचान कर पता लगाया कि प्राकृतिक और मानवजनित दबावों से ये कैसे प्रभावित होते हैं। पश्चिमी सिडनी विश्वविद्यालय की विज्ञप्ति के अनुसार, उनके शोध निष्कर्षों ने, मिट्टी के सूक्ष्मजीव और जीव-जंतुओं की मिट्टी की जैव विविधता और प्रमुख पारिस्थितिकी तंत्र कार्यों और सेवाओं के बीच कारण संबंध की पहचान करते हुए पारिस्थितिकी तंत्र विज्ञान के महत्वपूर्ण क्षेत्रों को उन्नत किया है। शोध के निष्कर्षों ने क्षेत्रीय, राष्ट्रीय और वैश्विक स्तर पर कई नीतिगत निर्णयों की भी जानकारी दी है, जिसमें ऑस्ट्रेलिया, और भारत तथा यूरोपीय संघ दोनों के बीच कृषि व्यवसाय और व्यापार में द्विपक्षीय जुड़ाव के लिए प्रमुख सिफारिशें प्रदान करना शामिल है।

उन्होंने मौजूदा माइक्रोबियल उत्पादों की प्रभावकारिता को बढ़ावा देने के लिए नवाचार विकसित कर ऑस्ट्रेलिया तथा दुनिया भर के उद्योगों के लिए मिट्टी और पौधों के माइक्रोबायोम में हेरफेर के लिए नए उपकरण प्रदान किए । सिंह वर्तमान में किसानों, सलाहकारों और नीति सलाहकारों को टिकाऊ कृषि और सतत विकास लक्ष्यों में प्रशिक्षित करने के लिए संयुक्त राष्ट्र के खाद्य एवं कृषि संगठन (एफएओ) सहित कई सरकारी और अंतर-सरकारी निकायों के साथ काम कर रहे हैं। इसके अलावा, वह कृषि प्रणालियों के लचीलेपन को बढ़ावा देने और विश्व स्तर पर पर्यावरणीय रूप से टिकाऊ खाद्य सुरक्षा उपायों को सुनिश्चित करने के लिए संयुक्त राष्ट्र एफएओ की वैश्विक मृदा साझेदारी के साथ काम करते हैं।

ऑस्ट्रेलिया में स्थानांतरित होने से पहले स्कॉटलैंड में अपने ज्ञान को निखारने में 10 साल बिताने के बाद, सिंह जैव-अर्थव्यवस्था में उत्पादकता बढ़ाने पर यूरोपीय आयोग को भी सलाह दे रहे हैं। वह ऑस्ट्रेलियाई विज्ञान अकादमी; ऑस्ट्रेलिया की मृदा विज्ञान सोसायटी; अमेरिका की मृदा विज्ञान सोसायटी और अमेरिकन एकेडमी ऑफ माइक्रोबायोलॉजी के फेलो हैं, और हम्बोल्ट रिसर्च पुरस्कार से सम्मानित हैं।

मॉनेटरी पॉलिसी रिव्यू से झूमा बाजार, निफ्टी 50 पहली बार 21,000 के पार

मुंबई (ईएमएस)। आरबीआई के मॉनेटरी पॉलिसी रिव्यू के बाद घरेलू शेयर बाजारों में जोरदार उछाल दिखाई दिया। शुक्रवार के कारोबार में बीएसई सेंसेक्स 304 अंक मजबूत हुआ। वहीं, निफ्टी में भी 68 अंक की बढ़ोतरी दर्ज की गई। हालांकि व्यापक बाजारों में तेज मुनाफावसूली देखी गई और दोनों बीएसई मिडकैप और स्मॉलकैप सूचकांक 1 प्रतिशत तक नीचे आ गए। केंद्रीय बैंक ने रीपो रेट को 6.5 प्रतिशत पर कायम रखा और वित्त वर्ष 2024 के लिए जीडीपी ग्रोथ रेट का अनुमान 6.5 प्रतिशत से बढ़ाकर 7 प्रतिशत कर दिया।

इसके पहले मॉनेटरी पॉलिसी रिव्यू से उत्साहित होकर दोपहर के कारोबार में निफ्टी 50 बेंचमार्क ने पहली बार 21,000 का आंकड़ा पार किया। निफ्टी 50 को 20,000 से 21,000 अंक पार करने में 60 कारोबारी सत्र लगे। निफ्टी 50 ने इसी साल 11 सितंबर को पहली बार 20 हजार के स्तर को छूआ था। बीएसई सेंसेक्स में भी बढ़त रही और यह 300 अंक उछलकर 69,888 के नए ऑलटाइम हाई पर पहुंच गया था। हालांकि, इसके बाद बीएसई सेंसेक्स और निफ्टी दोनों की बढ़त कुछ कम हो गई।

बीएसई का 30 शेयरों वाला मानक सूचकांक सेंसेक्स 303.91 अंक की बढ़त के साथ 69,825.60 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स में शुक्रवार को 69,506.12 और 69,893.80 के रेंज में कारोबार हुआ।

वहीं, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) के निफ्टी में भी 68.25 अंक की बढ़त दर्ज की गई। निफ्टी दिन के अंत में 20,969.40 अंक पर बंद हुआ। निफ्टी में शुक्रवार को 20,862.70 और 21,006.10 के रेंज में कारोबार हुआ।

दरअसल भारतीय रिजर्व बैंक ने शुक्रवार को उम्मीद के अनुरूप लगातार पांचवीं बार नीतिगत दर रेपो में कोई बदलाव नहीं किया और इस 6.5 फीसदी पर बरकरार रखा। साथ ही चालू वित्त वर्ष 2023-24 के लिए इकोनॉमिक ग्रोथ रेट के अनुमान को 6.5 फीसदी से बढ़ाकर 7 फीसदी कर दिया। वहीं खुदरा महंगाई के अनुमान को 5.4 फीसदी पर बरकरार रखा। रेपो दर को 6.5 प्रतिशत पर बरकरार रखने का सीधा मतलब है कि मकान, वाहन सहित विभिन्न कर्जो पर ईएमआई में कोई बदलाव नहीं होगा।

सोना 62,500 रुपए, चांदी भी हुई महंगी

नई दिल्ली (ईएमएस)। सोने और चांदी के वायदा भाव में शुक्रवार को तेजी देखी जा रही है। दोनों के वायदा भाव तेजी के साथ खुले। सोने के वायदा भाव अब बढकर 62,500 रुपये और चांदी के वायदा भाव 74,600 रुपये के करीब कारोबार कर रहे हैं। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज पर सोने का बेंचमार्क फरवरी कॉन्ट्रेक्ट 59 रुपये की तेजी के साथ 62,525 रुपये के भाव पर खुला। ?फिलहाल यह कॉन्ट्रेक्ट 64 रुपये की तेजी के साथ 62,530 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। सोमवार को सोने के वायदा भाव ने 64,063 रुपये के भाव पर सर्वोच्च स्तर छुआ था। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क मार्च कॉन्ट्रेक्ट 328 रुपये की तेजी के साथ 74,641 रुपये के भाव पर खुला। ?फिलहाल यह कॉन्ट्रेक्ट 374 रुपये की तेजी के साथ 74,687 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। सोमवार को चांदी के वायदा भाव 78,549 रुपये के भाव पर दिन के उच्च स्तर पर पहुंच गए थे। वहीं वै?श्विक बाजार में सोने के वायदा भाव की शुरुआत नरमी के साथ हुई। बाद में तेजी देखी जाने लगी। जबकि चांदी की शुरूआत तेज रही। कॉमेक्स पर सोना 2,045.70 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। पिछला बंद भाव 2,046.40 डॉलर था। ?फिलहाल यह 2 डॉलर की तेजी के साथ 2,048.40 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था। कॉमेक्स पर चांदी के वायदा भाव 24.14 डॉलर के भाव पर खुले, पिछला बंद भाव 24.05 डॉलर था। ?फिलहाल यह 0.13 डॉलर की तेजी के साथ 24.19 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था।

प्याज निर्यात पर अगले साल मार्च तक प्रतिबंध

मुंबई (ईएमएस)। देश में प्याज की बढ़ती कीमत को नियं?त्रित करने के लिए मोदी सरकार ने बड़ी कार्यवाही की है। सरकार ने घरेलू उपलब्धता बढ़ाने और कीमतों पर रोकथाम के लिए प्याज के निर्यात पर अगले साल मार्च तक प्रतिबंध लगा दिया है। विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीएफटी) की ओर से जारी अधिसूचना में कहा गया है कि प्याज के निर्यात की नीति को 31 मार्च, 2024 तक मुक्त से प्रतिबंधित श्रेणी में डाल दिया गया है। गौरतलब है ?कि घरेलू बाजार में प्याज की कीमत 60 से 65 रुपए प्रति किलो तक पहुंच गई है। प्याज और टमाटर की बढ़ती कीमतों के कारण नवंबर में सामान्य शाकाहारी और मांसाहारी थाली की कीमत में मासिक आधार पर वृद्धि हुई है। एक रिपोर्ट में कहा गया है कि प्याज और टमाटर की कीमतों में मासिक आधार पर 58 प्रतिशत तथा 35 प्रतिशत की बढ़ोतरी के कारण दाम बढ़े हैं। त्योहारी मांग और अनियमित वर्षा के कारण खरीफ के मौसम में कम उत्पादन के कारण प्याज और टमाटर की कीमतों में वृद्धि हुई।

देश का विदेशी मुद्रा भंडार 600 अरब डॉलर के पार

मुंबई (ईएमएस)। देश का विदेशी मुद्रा भंडार एक दिसंबर को बढ़कर 604 अरब अमेरिकी डॉलर हो गया है। चार माह में पहली बार विदेशी मुद्रा भंडार 600 अरब डॉलर के पार हुआ है। इससे पहले इस साल 11 अगस्त को विदेशी मुद्रा भंडार 600 अरब डॉलर से ऊपर था। भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर शक्तिकांत दास ने शुक्रवार को दिसंबर की द्विमासिक मौद्रिक नीति की घोषणा करते हुए कहा ?कि भारत का विदेशी मुद्रा भंडार एक दिसंबर, 2023 को 604 अरब डॉलर था। इससे हम अपनी बाहरी वित्तपोषण जरूरतों को सुगमता से पूरा कर सकते हैं। इससे पहले 24 नवंबर को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार 597.93 अरब डॉलर था। अक्टूबर 2021 में देश का विदेशी मुद्रा भंडार 642 अरब डॉलर के सर्वकालिक उच्चस्तर पर पहुंचा था। इसके बाद पिछले साल से वैश्विक घटनाक्रमों की वजह से रुपये को दबाव से बचाने के लिए केंद्रीय बैंक ने इस भंडार का इस्तेमाल किया, जिससे विदेशी मुद्रा भंडार में कमी आई। दास ने कहा कि अमेरिका में बॉन्ड प्रतिफल बढ़ने और मजबूत अमेरिकी मुद्रा के बावजूद 2023 के कैलेंडर साल में भारतीय रुपये में उतार-चढ़ाव अन्य उभरती अर्थव्यवस्थाओं की मुद्रा की तुलना में कम रहा है।

महिलाओं को शिक्षित करने की तालिबान कर रहा वकालत

काबुल(ईएमएस)। किसी भी देश में महिलाओं का शिक्षित होना बेहद जरुरी है। ये बात अब तालीबान को भी समझ आ रही है जिसने कई सालों तक महिलाओं की शिक्षा पर प्रतिबंध लगाकर रखा था। अफगानिस्तान के तालिबान द्वारा नियुक्त उप विदेश मंत्री शेर मोहम्मद अब्बास स्टानिकजई ने कहा है कि लोगों के तालिबान से दूर होने का मुख्य कारण महिलाओं की शिक्षा पर लगातार प्रतिबंध है। काबुल से प्रसारण होने वाले एक अफगान समाचार चैनल ने बताया तालिबान द्वारा नियुक्त उप विदेश मंत्री ने एक ग्रेजुएशन समारोह में बोलते हुए कक्षा 6 से आगे की छात्राओं के लिए स्कूलों को फिर से खोलने के महत्व पर जोर दिया और कहा कि ज्ञान के बिना समाज अंधकार है।

तालिबान द्वारा नियुक्त सीमा और जनजातीय मामलों के कार्यकारी मंत्री नूरुल्ला नूरी ने कहा कि दूर-दराज के इलाकों में रहने वाले युवाओं के पास शिक्षा तक पहुंच नहीं है, स्कूलों में दाखिला लिया है। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि धार्मिक और आधुनिक शिक्षा के बीच कोई दूरी नहीं है। नूरी ने कहा, दूरी की बात सच नहीं है। कोई दूरी नहीं है। इस्लामिक अमीरात के शासन के तहत जो शिक्षा दी जा रही है, मैं आपको बता सकती हूं कि पहले ऐसी कोई व्यवस्था नहीं थी। तालिबान के सत्ता में आने के बाद से कक्षा छह से ऊपर की छात्राएं अपनी शिक्षा से वंचित हो गई हैं। तालिबान द्वारा नियुक्त कार्यवाहक शिक्षा मंत्री हबीबुल्लाह आगा ने हाल ही में देश के धार्मिक स्कूलों में शिक्षा की खराब गुणवत्ता की आलोचना की। हबीबुल्लाह आगा ने तालिबान और धार्मिक विद्वानों से शिक्षा की गुणवत्ता बढ़ाने पर गंभीरता से ध्यान देने के लिए कहा।

बता दें कि यह समारोह तालिबान के सीमा और जनजातीय मामलों के मंत्रालय द्वारा मंत्रालय के तहत शैक्षिक संस्थाओं में अध्ययन करने वाले छात्रों के ग्रेजुएट होने के उपलक्ष्य में आयोजित किया गया था।स्टैनिकजई ने कहा कि यह हर किसी का अधिकार है। यह प्राकृतिक अधिकार है जो भगवान और पैगंबर ने उन्हें दिया है, कोई उनसे यह अधिकार कैसे छीन सकता है? यदि कोई इस अधिकार का उल्लंघन करता है, तो यह अफगानों और यहां के लोगों के खिलाफ अत्याचार है। सभी के लिए शिक्षण संस्थानों के दरवाजे दोबारा खोलने का प्रयास करें।

शरणार्थियों के ठिकानों पर भी हो सकते हमलेः इजराइल

-अब गाजा के साउथ का क्षेत्र भी सुरक्षित नहीं बचा

तेल अवीव (ईएमएस)। इजरायल का कहना है कि हमास उन इलाकों से भी हम पर रॉकेट दाग रहा है, जिन्हें मानवीय मदद के लिए छोड़ा गया था। चूंकि हमास इन क्षेत्रों से भी इजरायल पर हमले कर रहा है, ऐसे में उसके जवाब में हमें भी अटैक करने होंगे और ये हमले शरणार्थियों के ठिकानों पर भी हो सकते हैं।

ऐसी स्थिति में गाजा में शरण के लिए कोई भी जगह सुरक्षित नहीं बचेगी। इजरायल ने मैप, सैटेलाइट तस्वीरें और वीडिये शेयर किए हैं, जिनमें दिखता है कि हमास के आतंकी रॉकेट दाग रहे हैं। ये हमले गाजा के अल-मावासी इलाके से किए गए हैं। इजरायली सेना का कहना है कि 14 रॉकेट दागे गए हैं। ये रॉकेट उस इलाके से दागे गए हैं, जहां गाजा के ही शरणार्थियों के लिए टेंट लगाए गए हैं। माना जा रहा है कि इजरायल अब इन इलाकों को भी निशाना बनाएगा और इसके चलते शरणार्थियों के लिए कोई भी क्षेत्र सुरक्षित नहीं रह गया है।

इजरायली सेना के एक प्रवक्ता ने कहा कि हम यह नहीं बता सकते कि आगे हमारा ऑपरेशन क्या होगा, लेकिन गाजा के लोगों को हम लगातार अपडेट कर रहे हैं ताकि उन्हें कम से कम नुकसान हो। इस बीच संयुक्त राष्ट्र संघ के महासचिव एंटोनियो गुटारेस ने यूएनएससी से अपील की है कि वह अपनी शक्तियों का इस्तेमाल करके युद्ध विराम कराए। संयुक्त राष्ट्र का कहना है कि शरणार्थियों को अस्पताल, स्कूल और कम्युनिटी हॉल्स में रुकने दिया जाए। इन जगहों को किसी भी तरफ से निशाना न बनाया जाए। संयुक्त राष्ट्र का कहना है कि अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार नियमों के मुताबिक भी इनको निशाना नहीं बनाया जा सकता। इजरायल को भी ऐसा करने से बचना चाहिए।

वहीं इजरायल का कहना है कि ऐसे ठिकानों को हमास अपनी आतंकी हरकतों के लिए इस्तेमाल कर रहा है। यही आरोप लगाते हुए इजरायल ने पिछले दिनों गाजा के सबसे बड़े अस्पताल अल-शिफा पर अटैक किया था और वार्ड-वार्ड में जाकर आतंकियों की तलाश की थी। इजरायल ने तो यह भी दावा किया था कि एमआरआई मशीनों तक में एके-47 राइफलें मिली थीं। बता दें कि इजरायल अब तक गाजा के उत्तरी इलाके में ही हमले बोल रहा था, लेकिन अब साउथ का क्षेत्र भी सुरक्षित नहीं बचा है।

तोड़फोड़ अभियान के दौरान इमारत के ऊपर लगा मोबाइल टावर ढहा

बेंगलुरु (ईएमएस)। बेंगलुरु में शुक्रवार को तोड़-फोड़ अभियान के दौरान एक इमारत के ऊपर लगा मोबाइल टावर ढह गया। इस घटना में किसी को चोट नहीं आई। वीडियो क्लिप में दिखाया गया है कि शहर के पार्वतीनगर उपनगर में एक इमारत के ऊपर स्थित टावर झुकना शुरू कर देता है, जबकि पास में एक और घर को ध्वस्त किया जा रहा था।

जब स्थानीय लोगों ने टावर को हिलते देखा तो उन्होंने इमारत के अंदर रहने वालों को चेतावनी दी। टावर गिरने के डर से पास की इमारत में रहने वाले 11 लोग बाहर निकल आए। कुछ ही क्षण बाद टावर गिर गया। करीब 2 मिनट लंबी क्लिप में टावर वाली इमारत के सामने बड़ी भीड़ दिखाई दे रही है। स्थानीय लोग राहगीरों को रास्ते से हटने के लिए चिल्लाते हैं और उन्हें हिल रहे टॉवर को लेकर चेतावनी देते हैं।

सेशेल्स में आपातकाल घोषित

-बाढ़ और भीषण विस्फोट के बाद लिया फैसला

विक्टोरिया (ईएमएस)। देश में बाढ़ और देर रात हुए भीषण विस्फोट को देखते हुए सेशेल्स के राष्ट्रपति ने बृहस्पतिवार को आपातकाल लगाए जाने की घोषणा कर दी है। राष्ट्रपति वेवेल रामकलावन ने कहा कि देशभर में बाढ़ की स्थिति और भीषण विस्फोट को देखते हुए आपातकाल लागू किया जाता है।

दरअसल देश में बाढ़ के चलते जहां तीन लोगों की मौत की खबर है वहीं विस्फोटक रखने वाले एक डिपों में बुधवार रात को भीषण विस्फोट हुआ हैं बाढ़ और डिपो में हुए भीषण विस्फोट को देखते हुए आपातकाल लागू कर दिया गया है। राष्ट्रपति वेवेल ने बताया कि प्राकृतिक आपदा बाढ़ के कारण तीन लोगों की मौत हुई है। सेशेल्स के मुख्य द्वीप माहे में औद्योगिक क्षेत्र स्थित एक विस्फोटक डिपो में भीषण विस्फोट हुआ जिसमें 100 से ज्यादा लोग घायल हो गए हैं। फिलहाल विस्फोट में किसी की मौत होने की कोई खबर नहीं है। राष्ट्रपति कार्यालय ने बयान जारी करते हुए आपातकाल लागू करने की घोषणा की है। इसके साथ ही स्कूलों को बंद करने तथा लोगों को घर में रहने का आदेश दे दिया गया है। राष्ट्रपति कार्यालय ने अपने इस बयान में आगे कहा है कि विस्फोट से बड़े पैमाने पर क्षति हुई है और बाढ़ से भारी विनाश हुआ है। इसलिए देश में आपातकाल लागू किया गया है।

संसद में पारित कानून - धार्मिक ग्रंथों का अनादर होगा गैरकानूनी कृत्य

कोपेनहेगन,(ईएमएस)। कुरान अपमान की घटना पर कई देशों में प्रदर्शन के मद्देनजर डेनमार्क की संसद में बृहस्पतिवार को एक नया कानून पारित किया । इसके तहत किसी भी पवित्र ग्रंथ का अपमान करना गैरकानूनी है। यह कानून ऐसे समय पारित किया है, जब हाल में इस्लाम विरोधी कार्यकर्ताओं द्वारा सार्वजनिक रूप से कुरान का अपमान करने की घटना के बाद कई देशों में प्रदर्शन किए गए।

स्कैंडिनेवियाई राष्ट्र को एक ऐसे स्थान के रूप में देखा जाता है जो अन्य देशों की संस्कृतियों, धर्मों और परंपराओं का अनादर करता है। न्याय मंत्रालय ने कहा है कि कानून का उद्देश्य 'सुनियोजित तरीके से आयोजित अनादर की घटनाओं' का मुकाबला करना है, जिसने अन्य बातों के अलावा, डेनमार्क में आतंकवाद के खतरे को बढ़ाया है।

संसद ने इसे 77 के मुकाबले 94 मतों से मंजूर किया जबकि आठ सांसद अनुपस्थित रहे। नया कानून ''किसी समुदाय के लिए महत्वपूर्ण धार्मिक ग्रंथ या वस्तु का अनादर करना'' अपराध बना देगा। कला के तहत अभिव्यक्ति को कुछ शर्तों के साथ प्रतिबंध के दायरे से बाहर रखा गया है।

गाजा में इजरायली सेना ने संयुक्त राष्ट्र स्कूल पर हमला कियाः यूएनआरडब्ल्यूए

- तीन अन्य स्कूल अप्रत्यक्ष रूप से आसपास के क्षेत्रों पर इजरायली हमलों से प्रभावित हुए थे

गाजा (ईएमएस)। फिलिस्तीन शरणार्थियों के लिए संयुक्त राष्ट्र राहत और कार्य एजेंसी (यूएनआरडब्ल्यूए) ने इजरायली सेना पर गाजा पट्टी में संयुक्त राष्ट्र स्कूल-परिवर्तित आश्रय को सीधे निशाना बनाने का आरोप लगाया है। एक समाचार एजेंसी ने एक प्रेस बयान का हवाला देते हुए बताया कि संयुक्त राष्ट्र एजेंसी ने कहा कि उत्तरी गाजा के बेइत लाहिया शहर में उसके स्कूल को सीधे तौर पर इजरायली सेना ने निशाना बनाया था। यूएनआरडब्ल्यूए ने बताया कि गाजा शहर और मध्य गाजा में आश्रय के रूप में काम करने वाले तीन अन्य स्कूल अप्रत्यक्ष रूप से आसपास के क्षेत्रों पर इजरायली हमलों से प्रभावित हुए थे। यूएनआरडब्ल्यूए ने यह भी कहा कि गाजा में इजरायली सेना ने उसके दो कर्मचारियों की हत्या कर दी, जिससे अक्टूबर की शुरुआत में संघर्ष शुरू होने के बाद से मारे गए उसके कर्मचारियों की कुल संख्या 132 हो गई। इसने कहा कि इजरायली बलों द्वारा निकासी आदेश जारी करने के बाद इसने पूर्वी खान यूनिस गवर्नरेट के कस्बों में अपने पांच स्कूलों से विस्थापित लोगों को पूरी तरह से हटा दिया था। इजरायली सेना ने शहर के विभिन्न हिस्सों में अन्य सक्रिय आदेशों के साथ-साथ खान यूनिस शहर में एक वर्ग किलोमीटर क्षेत्र को तत्काल खाली करने का आदेश दिया। यूएनआरडब्ल्यूए के अनुसार अब तक शहर के लगभग 25 प्रतिशत क्षेत्र, जिसमें लगभग 1,78,000 निवासी और अनुमानित 1,70,000 विस्थापित लोग हैं, को खाली करने के आदेश मिल चुके हैं। यूएनआरडब्ल्यूए ने कहा ?कि 19 लाख से अधिक लोग, लगभग 85 प्रतिशत आबादी, पूरी गाजा पट्टी में विस्थापित हो गए हैं, जिसमें उत्तर और गाजा शहर सहित पट्टी के सभी पांच गवर्नरेट में 155 यूएनआरडब्ल्यूए सुविधाओं में रहने वाले लगभग 12 लाख विस्थापित लोग शामिल हैं।यूएनआरडब्ल्यूए के कमिश्नर-जनरल फिलिप लेज़ारिनी ने कहा कि दक्षिणी गाजा में एक बड़ा अस्पताल के जिसमें अस्पताल में भर्ती एक हजार से अधिक मरीज और 17 हजार विस्थापित लोग शामिल हैं, आपूर्ति की कमी और अपर्याप्त श्रमिकों के कारण बंद होने का खतरा है। उन्होंने मानवीय युद्धविराम के आह्वान को दोहराते हुए जोर देकर कहा कि गाजा में कोई सुरक्षित जगह नहीं है, चाहे राफा में या कहीं भी, जिसे एकतरफा सुरक्षित क्षेत्र कहा जाता है।

सेज की खाली जगह का उपयोग कर सकेंगे डेवलपर

- आयकर छूट वापस लिए जाने से वाणिज्य मंत्रालय ने दी बड़ी राहत

नई दिल्ली (ईएमएस)। आईटी और इससे संबंधित सेवाओं के विशेष आर्थिक क्षेत्र (एसईजेड) में आयकर छूट वापस लिए जाने से परेशान डेवलपरों को वाणिज्य मंत्रालय ने बड़ी राहत दी है। एसईजेड तैयार करने वालों में मुख्य रूप से रियल एस्टेट क्षेत्र की बड़ी कंपनियां जैसे डीएलएफ और हीरानंदानी समूह आदि शामिल हैं। मंत्रालय के निर्णय से डेवलपर अब एसईजेड में अपनी खाली जगह का आईटी और आईटीईएस के अलावा दूसरे कामों के लिए भी कर सकेंगे। मगर इसके लिए उन्हें कुछ शर्तें पूरी करनी होंगी और बोर्ड से मंजूरी भी लेनी होगी। मंत्रालय द्वारा जारी एसईजेड नियम, 2006 में संशोधन की अधिसूचना में कहा गया है कि एसईजेड के एक हिस्से को गैर-प्रसंस्करण क्षेत्र घोषित किया जा सकता है, जहां मुक्त क्षेत्र के नियम लागू नहीं होंगे। गैर-प्रसंस्करण क्षेत्र पूरा एक तल होगा, जिसमें कंपनियों को एसईजेड इकाई के लिए लागू तमाम नियमों से छूट मिल जाएगी। ये नियम निवेश, राजस्व, अर्जित विदेशी मुद्रा के साथ साथ शुल्क मुक्त आयातित वस्तुओं और लोगों की आवाजाही को पूर्ण सुरक्षा आदि के बारे में मासिक और वार्षिक प्रगति रिपोर्ट से संबंधित हैं। लेकिन एसईजेड इकाइयों और गैर प्रसंस्करण क्षेत्र में मौजूद आईटी एवं आईटीईएस इकाइयों को सभी नियमों का पालन करना होगा। फिलहाल डेवलपर और इकाइयां वस्तु आयात पर सीमा शुल्क से, सेवाओं तथा निर्माण पर वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) से एवं स्टांप शुल्क से छूट ले सकती हैं। उन्हें बिजली शुल्क में भी रियायत मिल सकती है मगर आयकर छूट की सुविधा वापस ले ली गई है। डेवलपर एसईजेड लेंगे तो कर में मिला लाभ भी उन्हें क्षेत्र के अनुपात में ही वापस करना होगा। अधिसूचना के अनुसार गैर प्रसंस्करण क्षेत्र की इकाइयां जिस बुनियादी ढांचे और सुविधाओं का इस्तेमाल करेंगी, उनके निर्माण के लिए प्राप्त कर लाभ भी डेवलपर को लौटाना होगा। विशेषज्ञों का कहना है कि कर देनदारी की गणना के लिए वित्त मंत्रालय सटीक दिशानिर्देश जारी करेगा तब उद्योग को पता लगेगा कि नए नियम कारगर हैं या नहीं। इससे पहले उद्योग के प्रतिनिधियों ने सरकार से उन क्षेत्रों की कर देनदारी मूल्यह्रास के आधार पर शून्य मानने को कहा था, जो कम से कम 10 साल पुराने हैं।

ईरान और रूस के बीच सहयोग बढ़ाने के लिए जमीन तैयारः राष्ट्रपति इब्राहिम

- रायसी ने कहा, ईरान की पड़ोसी-उन्मुख नीति के अनुरूप रूस के साथ सहयोग महत्वपूर्ण है

तेहरान (ईएमएस)। ईरान के राष्ट्रपति इब्राहिम रायसी ने इस बात पर जोर दिया है कि दोनों पक्षों के हितों के अनुरूप ईरान और रूस के बीच सहयोग का विस्तार करने के लिए और अधिक प्रभावी कदम उठाने के लिए जमीन तैयार है। एक समाचार एजेंसी ने ईरानी राष्ट्रपति की वेबसाइट पर जारी बयान के हवाले से बताया कि रायसी ने गुरुवार को मॉस्को में रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ एक बैठक में ऊर्जा और कृषि क्षेत्रों के साथ-साथ ज्ञान-आधारित फर्मों के क्षेत्र में दोनों देशों के अच्छे द्विपक्षीय सहयोग पर टिप्पणी की। रायसी ने बढ़ते द्विपक्षीय संबंधों पर संतोष व्यक्त करते हुए कहा कि ईरान की पड़ोसी-उन्मुख नीति के अनुरूप रूस के साथ सहयोग महत्वपूर्ण है। क्षेत्रीय और अंतर्राष्ट्रीय विकास की ओर मुड़ते हुए रायसी ने कहा कि मानवता की पीड़ा का कारण एकतरफावाद और अन्यायपूर्ण विश्व व्यवस्था है, जिसकी एक अभिव्यक्ति आज गाजा में देखी जा सकती है। उन्होंने गाजा पट्टी पर इजरायल के चल रहे हमलों का जिक्र करते हुए इजरायल के गाजा के असहाय लोगों के खिलाफ अपराधों को नरसंहार और मानवता के खिलाफ अपराध के रूप में निंदा की। रायसी ने कहा ?कि गाजा पर सैन्य हमलों में छह हजार से अधिक बच्चों की हत्या सहित इजरायल के अपराधों को संयुक्त राज्य अमेरिका और (कुछ) पश्चिमी देशों का समर्थन प्राप्त था। उन्होंने अफसोस जताया कि गाजा में हर 10 मिनट में एक बच्चा मर रहा है, तटीय क्षेत्र में फिलिस्तीनियों के खिलाफ बमबारी और अपराध को रोकने की आवश्यकता पर प्रकाश डाला।

पुतिन ने अपनी ओर से कहा कि दोनों देशों के बीच संबंध सर्वोत्तम संभव स्तर पर हैं। ईरान की व्यापार प्रदर्शनियों में रूसी व्यापारियों की आकर्षक उपस्थिति और पिछले वर्ष 5 अरब डॉलर के वार्षिक कारोबार के साथ द्विपक्षीय व्यापार में 20 प्रतिशत की वृद्धि द्विपक्षीय संबंधों में एक नया अध्याय खोलने के लिए मास्को और तेहरान के दृढ़ संकल्प का संकेत है। उन्होंने कहा कि संयुक्त परिवहन, सड़क और रेलमार्ग परियोजनाएं अच्छी तरह से प्रगति कर रही हैं और ऊर्जा क्षेत्र में दोनों देशों के सहयोग में लगातार वृद्धि देखी जा रही है। पुतिन ने क्षेत्रीय मुद्दों पर दोनों देशों के साझा रुख की ओर इशारा करते हुए इस बात पर जोर दिया कि फिलिस्तीन के मुद्दे और गाजा पट्टी पर विचारों का आदान-प्रदान भी रूस और ईरान के बीच बातचीत के विषयों में से एक था। ईरान और रूस दोनों पर संयुक्त राज्य अमेरिका द्वारा प्रतिबंध लगाया जा रहा है। उन्होंने हाल ही में अमेरिकी कदमों का मुकाबला करने के लिए द्विपक्षीय राजनीतिक और आर्थिक संबंधों का विस्तार किया है। ईरान की एक आधिकारिक समाचार एजेंसी के अनुसार दोनों देशों ने प्रतिबंधों का मुकाबला करने और एकतरफा जबरदस्ती उपायों के नकारात्मक प्रभावों को कम करने के लिए सहयोग की एक संयुक्त घोषणा पर हस्ताक्षर किए गए।

समृद्ध सांस्कृतिक विरासत तथा सुदृढ़ अर्थव्यवस्था विकसित भारत का आधार बनेंगी : मुख्यमंत्री

- तेलंगाना की राज्यपाल की उपस्थिति में गुजरात यूनिवर्सिटी में दो दिवसीय कल्चरल इकोनॉमी कॉन्क्लेव का उद्घाटन

अहमदाबाद (ईएमएस) मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने कहा है कि हमारी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत तथा सुदृढ़ अर्थव्यवस्था विकसित भारत का आधार बनेंगी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी हमारी सांस्कृतिक विरासत तथा हमारी अर्थव्यवस्था के पुनर्जागरण के संवाहक हैं। वर्ष 2047 में हम जब स्वतंत्रता का शताब्दी महोत्सव मनाएँ, तब भारत को विकसित देश बनाने के लिए प्रधानमंत्री ने दिशादर्शन दिया है। पटेल गुजरात यूनिवर्सिटी में दो दिवसीय कल्चरल इकोनॉमी कॉन्क्लेव का उद्घाटन कर रहे थे। इस अवसर पर तेलंगाना की राज्यपाल तथा पुड्डुचेरी की उप राज्यपाल डॉ. तमिलिसाई सुंदरराजन उपस्थित रहीं। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने संस्कृति एवं अर्थव्यवस्था के परस्पर जुड़ाव की चर्चा करते हुए कहा कि देश की अर्थव्यवस्था तथा संस्कृति एक-दूसरे के साथ जुड़ी हुई हैं और एक-दूसरे पर उनका प्रभाव है। देश की संस्कृति को पहचानना तथा अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ बनाना देश के विकास के लिए सर्वाधिक महत्वपूर्ण है। गुजरात यूनिवर्सिटी में आयोजित यह कल्चरल इकॉमी कॉन्क्लेव इस उद्देश्य को सार्थक करने की दिशा में महत्वपूर्ण सिद्ध होगा। इस संबंध में उन्होंने जोड़ा कि हमारे त्योहार, हमारी परंपराएँ, सामाजिक मेले तथा सामाजिक कार्यक्रम देश की अर्थव्यवस्था को समृद्ध बनाने का कार्य करते हैं। त्योहार हमारी संस्कृति का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। ऐसे उत्सव अनेक लोगों को तथा उद्योग-व्यवसाय को रोज़गार प्रदान कर देश की अर्थव्यवस्था को स्थिरता प्रदान करते हैं। दिवाली के त्योहार में देश का जीएसटी कलेक्शन सर्वाधिक था, जो इस बात का प्रमाण देता है। उन्होंने गुजरात की सांस्कृतिक धरोहर तथा अर्थव्यवस्था में उसके योगदान की चर्चा करते हुए कहा कि हाल ही में यूनेस्को द्वारा गुजरात के गौरव तथा सांस्कृतिक विरासत समान गरबा को 'अमूर्त सांस्कृतिक धरोहर' के रूप में घोषित किया गया है। गुजरात का नवरात्रि त्योहार इवेंट इंडस्ट्री तथा फ़ेस्टिवल इंडस्ट्री की आय में महत्वपूर्ण योगदान देता है। अहमदाबाद में आयोजित होने वाली हेरिटेज वॉक कल्चर तथा इकोनॉमी के जुड़ाव का प्रमाण है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कुशल नेतृत्व एवं मार्गदर्शन में जीएसटी, जनधन योजना, माइक्रो फ़ाइनांस जैसे आर्थिक उपक्रमों से देश आज विश्व की पाँचवीं बड़ी अर्थव्यवस्था बना है। पटेल ने कहा कि प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन में देश में कल्चरल रिफ़ॉर्म हो रहा है। काशी विश्वनाथ कॉरिडोर, महाकाल कॉरिडोर का निर्माण इसका बड़ा उदाहरण है। इन दोनों कॉरिडोर के निर्माण से 'पिलग्रिमेज टूरिज़्म' को प्रोत्साहन मिला है तथा स्थानीय इकोनॉमी को भी वेग मिला है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में चारधाम यात्रा प्रोजेक्ट के अंतर्गत ऑल वेदर रोड का निर्माण चल रहा है। उन्होंने कहा कि सांस्कृतिक आदान-प्रदान के साथ-साथ व्यापारिक संबंधों को गति देने के लिए गुजरात में सौराष्ट्र-तमिल संगम की एक नई परंपरा शुरू हुई है। इस संगम के ज़रिये तमिल भाई-बहनों ने गुजरात के सोमनाथ एवं उत्तर प्रदेश के वाराणसी की यात्रा की है। उन्होंने कहा कि गुजरात में इस अवसर पर तमिल भाई-बहनों के साथ सांस्कृतिक आदान-प्रदान के साथ कपड़ा एवं व्यापार संबंधी सेमिनार का भी आयोजन किया गया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने माधवपुर घेड मेले की परंपरा शुरू कर गुजरात तथा उत्तर-पूर्व के बीच के प्राचीन संबंधों को एक नई ऊर्जा दी है। गुजरात के द्वारका में भी पिलग्रिमेज टूरिज़्म के लिए कॉरिडोर का निर्माण हो रहा है। कल्चरल एपी सेंटर समान धर्मस्थानों के विकास के लिए 'प्रसाद' योजना लागू है। मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में संस्कृति, विरासत व भारतीय संगीत, साहित्य और नृत्य को प्रोत्साहित कर कला-व्यवसाय को उचित मंच देने के साथ- साथ सांस्कृतिक एवं आर्थिक गतिविधियों को नए आयाम देने का भगीरथ कार्य किया जा रहा है। राज्य में ताना-रीरी महोत्सव, उत्तरार्ध महोत्सव, डांग महोत्सव द्वारा स्थानीय संस्कृति और अर्थव्यवस्था को बढ़ावा मिला है।

मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने कहा कि किसी भी देश की इकोनॉमी उसका इंजन होती है, जबकि उस देश की संस्कृति उसकी हेडलाइट है; जो देश के विकास का मार्ग निर्माण करती है। देश की समृद्धि और संस्कृति अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण योगदान देती है।

तेलंगाना की राज्यपाल और पुडुचेरी की उप राज्यपाल डॉ. तमिलिसाई सुंदरराजन ने कल्चरल इकोनॉमी कॉन्क्लेव के उद्घाटन के अवसर पर कहा कि हमारे देश की सांस्कृतिक विरासत प्राचीन काल से ही उन्नत रही है। हमारे पूर्वजों और राजाओं द्वारा बनवाए गए मंदिर वर्षों से हमें सांस्कृतिक रूप से जोड़ते और एकजुट करते रहे हैं। हमारे देश के मंदिर कल्चरल इकोनॉमी डेवलपमेंट में महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में आज हमारी संस्कृति की सुगंध विश्वभर में फैल रही है। योग संस्कृति को विश्व भर में अपनाया गया है। हमारी पारंपरिक चिकित्सा और प्राचीन स्वास्थ्य पद्धतियों को विश्वभर में अपनाया जा रहा है। इसी प्रकार, मिलेट्स को लोगों के खानपान तक पहुंचाने और स्वास्थ्य देखभाल में लाने के लिए वर्ष 2023 को अंतर्राष्ट्रीय मिलेट वर्ष घोषित किया गया है, यह हमारा कल्चरल कनेक्ट है। उन्होंने कहा कि देश की अर्थव्यवस्था में इसका महत्वपूर्ण योगदान है।

गुजरात यूनिवर्सिटी की कुलपति डॉ. नीरजा गुप्ता ने कहा कि गुजरात यूनिवर्सिटी अपने 75वें वर्ष में प्रवेश कर पारस पर्व मना रही है। इस पर्व के अंतर्गत आयोजित होने वाले इस कल्चरल इकोनॉमी कॉन्क्लेव में भारत की संस्कृति, परंपरा, तीर्थ स्थलों और प्रयागों के बारे में बहुआयामी चर्चाएं और विचार-विमर्श होंगे।

सूरत नगर निगम डंपिंग साइड २००० मीटर दूर है

सूरत के मशहूर डायमंड बुर्स में व्यापारियों की तबीयत बिगड़ी

सूरत, ८ दिसंबर । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी १७ दिसंबर को दुनिया के सबसे बड़े व्यापारिक कार्यालय का उद्घाटन करने जा रहे हैं । सूरत डायमंड बुर्स सूरत में पेंटागन से भी बड़ा कार्यालय है । लेकिन अब व्यापारियों और डायमंड बुर्स पर आने वाले लोगों को सिरदर्द और बेचैनी की शिकायत हो रही है । इसके पीछे मुख्य कारण डायमंड बुर्स के पास सूरत नगर निगम का डंपिंग यार्ड है ।

सूरत शहर के खजूर क्षेत्र में विश्व स्तरीय डायमंड बुर्स व्यापार केंद्र बनने की ओर अग्रसर है । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी खुद १७ दिसंबर को सूरत डायमंड बुर्स का उद्घाटन करने जा रहे हैं । दुनिया भर के हीरा उद्योग से जुड़े लोग सूरत डायमंड बुर्स के गुलजार होने का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं । लेकिन इस बीच डायमंड बुर्स के पास स्थित सूरत नगर निगम के डंपिंग साइड के कारण वहां आने वाले व्यापारी और पर्यटक अब विरोध कर रहे हैं । डंपिंग साइट से निकलने वाली बदबू से लोग अब सिरदर्द और बेचैनी की शिकायत कर रहे हैं ।

जब मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल ने सूरत डायमंड बुर्स का दौरा किया तो उन्होंने भी इसकी आलोचना की । हालाँकि, डायमंड बुर्स के ट्रस्टियों ने सुझाव दिया है कि डंपिंग पक्ष को हटा दिया जाए । डंपिंग साइड को दूसरी जगह शिफ्ट करने का भी प्रयास किया गया है । पास के एक भूखंड पर स्थित सूरत नगर निगम (एसएमसी) खजोद डंपसाइट से बदबू निकलती है और प्रतिदिन लगभग २,३०० मीट्रिक टन कचरा संसाधित होता है । इस डंपिंग साइट पर कूड़े का अंबार लगा हुआ है । जिसके कारण सूरत डायमंड बुर्स में बदबू आती है ।

इस पूरे मामले में सूरत डायमंड बर्से के ट्रस्टी दिनेश नवादिया ने कहा कि कुल मिलाकर सूरत डायमंड बर्से तैयार है, चूंकि निर्माण कार्य शुरू हो चुका है, सूरत नगर निगम डंपिंग साइड २००० मीटर दूर है । चूँकि हवा का रुख उधर होने पर पूरे सूरत शहर का कूड़ा-कचरा वहीं फेंक दिया जाता है, इसलिए सूरत डायमंड बर्से में आने वाले लोगों के लिए, जिन लोगों के वहाँ कार्यालय हैं, उनके लिए एक अजीब सी बदबू होती है । इस बदबू के कारण कई बार लोगों को सिरदर्द की शिकायत हो जाती है और बेचैनी भी महसूस होती है । गुजरात सरकार और स्थानीय अधिकारियों को इस बारे में सूचित कर दिया गया है । उन्होंने यह भी कहा कि इस पूरे मामले में सरकार और नगर आयुक्तकाफी सकारात्मक हैं । हालांकि अभी दूसरी जगह डंपिंग साइड के लिए मंजूरी की प्रक्रिया चल रही है । मंजूरी मिलने पर यह डंपिंग साइड बंद कर दी जाएगी और जो भी कचरा निकलेगा, वह सूरत शहर में निकलेगा । यह नए डंपिंग साइड पर डालना शुरू कर देगा । उस दौरान, डंपिंग पक्ष से किसी भी कचरे को गोल्फ कोर्स के अंदर वृक्षारोपण के लिए अलग से फिल्टर या खाद बनाया जाएगा ।

प्रभु श्री राम भारत की आत्मा हैं, भारत की पहचान हैं, भारत का गौरव हैं : मुख्यमंत्री

अहमदाबाद (ईएमएस) मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने कहा है कि संत, शास्त्र और संस्कृति; ये तीन भारतीय संस्कृति में प्रमुख हैं। भारतीय ज्ञान तथा उपासना पद्धति अटल रही है; जिसके पीछे रहे कारण में भारत की संत, शास्त्र और मंदिर परंपरा का सर्वाधिक योगदान है। पटेल खेडा ज़िला मुख्यालय नडियाद में बोचासणवासी अक्षर पुरुषोत्तम स्वामीनारायण संस्था (बीएपीएस) के नूतन मंदिर में मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव के अवसर पर संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने महोत्सव में सहभागी होकर धर्मलाभ लिया। मुख्यमंत्री प्रमुख स्वामी महाराज के जयंती उत्सव सभा में सहभागी हुए। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल तथा बीएपीएस के प्रमुख श्री महंत स्वामी के करकमलों से नूतन मंदिर और उसके परिसर के मॉडल का अनावरण किया गया। मुख्यमंत्री ने मंदिर में स्थापित मूर्तियों का दर्शन कर नीलकंठवर्णी महाराज की मूर्ति पर अभिषेक किया। मुख्यमंत्री ने जोड़ा कि किसी ने सोचा भी नहीं था कि अयोध्या में राम जन्म भूमि पर एक दिन इतनी सद्भावना के साथ राम मंदिर निर्माण का मार्ग प्रशस्त होगा। उन्होंने कहा कि प्रभु श्री राम भारत का आत्मा हैं, भारत की पहचान हैं, भारत का गौरव हैं। अयोध्या में प्रभु श्री राम का मंदिर बन कर तैयार हो; इसके लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अथक परिश्रम किया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में तैयार हो रहे राम मंदिर के द्वार शीघ्र ही रामभक्तों और सभी भारतीयों के लिए खुल जाने वाले हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि नडियाद का नूतन स्वामीनारायण मंदिर हो या सैकड़ों वर्षों का आयोजन प्रभु श्री राम का मंदिर हो; ये सभी मंदिर हमारी अस्मिता एवं ऊर्जा के स्रोत हैं। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि आने वाली पीढ़ी विकसित भारत के निर्माण में अग्रिम योगदान दे तथा युवा पीढ़ी भारतीय सत्व व तत्व को बनाए रखते हुए प्रगति का मार्ग बनाए; इसके लिए ये मंदिर सदैव प्रेरणा देते रहेंगे। उन्होंने कहा कि मंदिर ईश्वर का धाम, प्रभु को प्राप्त करने का स्थान और परमेश्वर की भक्ति, आराधना, उपासना करने का केन्द्र हैं। नडियाद में निर्मित मंदिर भक्तों के भाव पूर्ण करने में धर्म, उपासना एवं संस्कृति का केन्द्र बनेगा। उन्होंने कहा कि हज़ारों वर्षों तक विदेशियों के शासन काल के बावजूद गुजरात में इन भागवत परंपराओं के अनूठे त्रिवेणी संगम की रचना करने वाले और हज़ारों-लाखों लोगों को सदाचार तथा भक्ति के मार्ग पर ले जाने वाले भगवान सहजानंद स्वामी थे। उन्होंने कहा कि भगवान स्वामीनारायण द्वारा स्थापित की गई एकांती उपासना की अनूठी पद्धति बीएपीएस स्वामीनारायण संप्रदाय में देखने को मिलती है। बीएपीएस के संतों, हरिभक्तों, युवाओं एवं बच्चों की अमृत छाप जनमानस पर है। मुख्यमंत्री ने कहा कि मंदिर हमारी विरासत हैं, भारत की संस्कृति का केन्द्र हैं, लोक जीवन को धड़कन देने वाले जीवंत केन्द्र हैं, आपके अध्यात्म के केन्द्रबिंदु हैं। पटेल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का प्रमुख स्वामी महाराज के प्रति अत्यंत अनुराग और भक्तिभाव है। पूज्य महंत स्वामी के प्रति भी प्रधानमंत्री का बहुत ही भाव और प्रीति है। संस्था की सत्संगी गतिविधियों एवं समाज सेवा के कार्यों में सरकार का सदैव सहयोग रहा है। बीएपीएस विदेश में मंदिरों का निर्माण कर वहाँ सत्संग मंडल एवं सभाएँ कर हमारी संस्कृति और मूल्यों का संरक्षण करने का बड़ा कार्य कर रही है। वर्तमान महंत स्वामी महाराज नए उत्साह के साथ सत्संग गतिविधियों को आगे बढ़ा रहे हैं।

लोकसभा चुनाव से पहले गुजरात कांग्रेस में नई नियुक्तियां, 10 जिलों में प्रमुखों की घोषणा

अहमदाबाद (ईएमएस) 2024 में होनेवाले लोकसभा चुनाव से पहले तैयारियां तेज कर दी हैं चुनाव से पहले गुजरात के 10 जिला-शहर में नए प्रमुखों की नियुक्तियां कर दी हैं इसके अंतर्गत हिम्मतसिंह पटेल को अहमदाबाद शहर का प्रमुख नियुक्त किया गया हैं वहीं ललित वसोया को राजकोट जिला, प्रताप दूधात को अमरेली जिला, भरत अमिपरा को जूनागढ़ शहर, चेतनसिंह परमार को पंचमहल जिला, चंद्रशेखर डाभी को खेडा जिला, विनुभाई सोलंकी को आणंद शहर, जशपालसिंह पढियार को वडोदरा शहर, प्रफुल पटेल को नर्मदा जिला और मुकेश पटेल को डांग जिला कांग्रेस प्रमुख नियुक्त किया गया हैं जिला और तहसील संगठन में फेरबदल के बाद प्रदेश कांग्रेस संगठन में बदलाव किया जाएगा कांग्रेस ने आगामी लोकसभा चुनाव के लिए राजनीतिक मामलों की समिति और प्रदेश चुनाव समिति की भी घोषणा की हैं दोनों समितियों में पुराने दिग्गजों को स्थान दिया गया हैं इस समिति में 30 सदस्यों की नियुक्ति की गई हैं गुजरात प्रदेश कांग्रेस प्रमुख और राज्यसभा सांसद शक्तिसिंह गोहिल की अगुवाई में चुनाव समिति का गठन किया गया हैं जिसमें विधायक, पूर्व विधायक के साथ ही पूर्व प्रमुख और वरिष्ठ नेताओं को शामिल किया गया हैं चुनाव समिति में अमित चावड़ा, भरतसिंह सोलंकी, अर्जुन मोढवाडिया, जगदीश ठाकोर, सिद्धार्थ पटेल, दीपक बाबरिया, मधुसूदन मिस्त्री, डॉ. अमी याज्ञिक, परेश धानाणी, शैलेष परमार, तुषार चौधरी, लालजी देसाई, मोहमद जावेद पीरजादा, नारायण राठवा और सुखराम राठवा समेत दिग्गज नेताओं की नियुक्ति की गई हैं वहीं राजनीतिक मामलों की समिति में 30 सदस्यों को नियुक्त किया गया हैं समिति में गुजरात प्रदेश कांग्रेस प्रमुख शक्तिसिंह गोहिल, विपक्ष के नेता अमित चावडा, भरतसिंह सोलंकी, अर्जुन मोढवाडिया, जगदीश ठाकोर, सिद्धार्थ पटेल, डॉ. अमी याज्ञिक, नारायण राठवा, दीपक बाबरिया, मधुसूदन मिस्त्री, शैलेष परमार, लालजी देसाई, तुषार चौधरी, सीजे चावडा, अनंत पटेल, विमल चूडास्मा, गेनीबेन ठाकोर, परेश धानाणी, सुखराम राठवा, सोनालीबेन पटेल, प्रभाबेन तावियाड, जिग्नेश मेवाणी, हिम्मतसिंह पटेल, ललिथ कथगरा, ऋत्विक मकवाणा, अंबरीश डेर, कादिर पीरजादा, इंद्रविजयसिंह गोहिल, पूंजाभाई वंश और वीरजीभाई ठुम्मर शामिल हैं

''द पाथ ऑफ इनोवेशन एन्ड वेलनेस फोर विकसित भारत'' विषय पर बायोटेक्नोलॉजी समिट की मेजबानी करेगा गुजरात

गांधीनगर (ईएमएस) वाइब्रेंट गुजरात ग्लोबल समिट (वीजीजीएस) 2024 से पहले, गुजरात सरकार, एक्सपोर्ट्स, जेम्स एंड ज्वैलरी, केमिकल एंड पेट्रोकेमिकल्स, एग्रीकल्चर एंड फूड प्रोसेसिंग जैसे विभिन्न क्षेत्रों में राज्य के नेतृत्व को प्रदर्शित करने के लिए कई प्री-समिट कार्यक्रमों की मेज़बानी कर रहा है। इसी तरह अन्य बढ़ते हुए सेक्टर की ओर समान दृष्टिकोण रखते हुए, बायो टेक्नोलॉजी सेक्टर के लिए प्री-वाइब्रेंट समिट का आयोजन किया जा रहा है। 11 दिसंबर 2023 को साइंस सिटी, अहमदाबाद में होने वाले इस प्री-वाइब्रेंट समिट का थीम ''द पाथ ऑफ इनोवेशन एन्ड वेलनेस फोर विकसित भारत'' होगा। मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल इस कार्यक्रम को संबोधित करेंगे और 'नेशनल एंड गुजरात बायोटेक स्टार्ट-अप्स' को प्रदर्शित करने वाले एक प्रदर्शनी का उद्घाटन भी करेंगे। सरकार की ओर से शामिल होने वालों में केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया, गुजरात सरकार में चीफ सेक्रेटरी आईएएस राज कुमार, आईएएस श्रीमति मोना खांधर, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, गुजरात सरकार; भारत सरकार के विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय में जैव प्रौद्योगिकी विभाग के सचिव डॉ. राजेश गोखले, के उपस्थित रहने की संभावना है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व के तहत, भारत को 5 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने के लक्ष्य में, बायोटेक्नोलॉजी एक प्रमुख चालक है। पिछले 8 वर्षों में, यह 10 अरब यूएसडी से 8 गुना बढ़कर 80 बिलियन यूएसडी हो गया है, वहीं बायोटेक स्टार्टअप की संख्या 50 से बढ़कर 5300 हो गई है। इन्वेस्ट इंडिया के आंकड़ों के अनुसार, बायोफार्मास्यूटिकल्स सबसे बड़ा सेगमेंट है, जो भारत की बायो इकोनॉमी में 62% योगदान देता है, इसके बाद बायो-एग्रीकल्चर 13%, बायो इंडस्ट्री 15% और बायो एवं बायो सर्विसेज़ 10% है। बायो सर्विसेज और इंडस्ट्रियल बायोटेक सेगमेंट, जो वर्ष 2020 संयुक्त रूप से इस इंडस्ट्री का 22% हिस्सा है, के तेजी से बढ़ने की उम्मीद है। इस प्री-समिट का उद्देश्य 'विकसित भारत2047' के दृष्टिकोण के अनुसार विकास की दिशा में आगे बढ़ना और बायोटेक्नोलॉजी सेक्टर में निवेश को आकर्षित करते हुए गुजरात को एक हब के रूप में स्थापित करना है। बायोटेक-समिट, बायोटेक्नोलॉजी सेक्टर के लगभग 350 स्टेकहोल्डर्स को एक साथ एक मंच पर लाएगा, जिसमें प्रमुख राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय बायोटेक कंपनियां, इंडस्ट्री एसोसिएशंस, स्टार्ट-अप, शिक्षाविद, रिसर्चर, रिसर्च एसोसिएट्स और बायोटेक क्लस्टर से जुड़ी कंपनियां और एजेंसियां शामिल होंगी। वाइब्रेंट गुजरात ग्लोबल समिट द्विवार्षिक सम्मेलन है जो 10-12 जनवरी 2024 को गुजरात में आयोजित किया जा रहा है। इस सम्मेलन ने पिछले 20 वर्षों में निवेश के नए-नए अवसरों का पता लगाने, इनोवेशन को बढ़ावा देने, व्यवसायों और सरकारों के बीच साझेदारी स्थापित करने के लिए एक अहम मंच के रूप में कार्य किया है। एक द्विवार्षिक वैश्विक व्यापार शिखर सम्मेलन है जो 10 से 12 जनवरी 2024 तक गुजरात में आयोजित किया जाएगा। इस सम्मेलन ने पिछले 20 वर्षों में निवेश के अवसरों का पता लगाने, नवाचार को बढ़ावा देने और साझेदारी स्थापित करने के लिए व्यवसायों और सरकारों के लिए प्रमुख मंच के रूप में कार्य किया है।

राजकोट में शादी फुलेका में हुई रुपयों की बारिश

राजकोट, ८ दिसंबर । राजकोट के राजमार्गों पर, घनश्यामभाई के बेटे का राजसी रथ निकला । पारंपरिक कपड़ों और हथियारों की सजावट भी मिली । राजकोट में अहीर समुदाय के नेता घनश्यामभाई हर्भा के बेटे की शादी हुई । राजवाड़ी फुलेकु राजकोट के राजमार्गों से निकली । फुलेका में काठियावाड़ी पारंपरिक संस्कृति का अवलोकन मिला । अहीर समाज की शादियों में महिलाओं की पारंपरिक पोशाक के अलावा शास्त्रों की साज-सज्जा भी देखने को मिलती थी । अहीर समुदाय की महिलाएं शादी समारोह के दौरान अपनी कमर पर रिवॉल्वर पहनती थीं । महिलाओं और पुरुषों ने पारंपरिक पोशाक में लगभग २०० किलो आभूषणों के साथ रास रचाया । अहीर समाज की महिलाओं ने पारंपरिक परिधान पहने । फुलेक में १५० से अधिक ढोल, नगाड़े के साथ घोड़े और बग्गियां लेकर राजवाड़ी फुलेक ने बंबई छोड़ दिया । फुलेका में घनश्यामभाई मेरामभाई हेरभा के बेटे सत्यजीत के ढोली पर लाखों रुपये उड़ रहे थे । सौराष्ट्र भारमा के अहीर समुदाय के नेता और अन्य समुदायों के नेता भी उपस्थित थे ।

चोरी के माल का बंटवारा कर रहे थे और पुलिस पहुंच गई, रु. 9.40 लाख के माल के साथ चार गिरफ्तार

सूरत (ईएमएस) शहर के पांडेसरा पुलिस ने चार शख्सों को उस समय दबोच लिया जब वह चोरी के माल का बंटवारा कर रहे थे। पकड़े गए आरोपियों में एक नाबालिग भी शामिल हैं पुलिस ने घटनास्थल से नकदी समेत रु. 9.40 लाख का माल-सामान जब्त कर मामले की जांच शुरू की हैं जानकारी के मुताबिक सूरत के पांडेसरा क्षेत्र के वडोद गाम स्थित आकार दर्शन सोसायटी में रहनेवाला युवक रात्रि के दौरान अपनी पत्नी को लेकर अस्पताल गया था। उस वक्त बंद मकान देख चोरों ने धावा बोल दिया और रु. 3.71 के आभूषण और नकदी पर हाथ साफ कर फरार हो गये। अस्पताल से लौटने पर युवक को घर में चोरी का पता चला और उसने पांडेसरा पुलिस थाने में शिकायत कर दी। शिकायत के आधार पर पुलिस ने चोरों की तलाश शुरू कर दी। इस बीच पुलिस को सूचना मिली कि कुछ लोग पांडेसरा के वडोद गाम आवास के पीछे चोरी के माल का बंटवारा कर रहे हैं सूचना के आधार पर पांडेसरा पुलिस तुरंत दबिश दी और राज कापुरे, सोनु उर्फ गोल्डन, राहुल करण तिरमले और एक नाबालिग समेत 4 शख्सों को गिरफ्तार कर लिये। पुलिस ने घटनास्थल से रु. 9.40 लाख का माल-सामान जब्त कर आगे की कार्यवाही शुरू का

पड़ोस में रहने वाली बहन ने घर से चुराए सोने के आभूषण

सूरत, ८ दिसंबर । सूरत की पांडेसरा पुलिस ने सोने-चांदी के आभूषण चुराने वाली एक महिला को गिरफ्तार किया है । शिकायतकर्ता महिला अपनी बेटी को लेने स्कूल गई थी । पड़ोस में रहने वाली एक बहन के घर से सोने के आभूषण चोरी हो गए । पुलिस ने दो लाख से अधिक की रकम बरामद कर आरोपी महिला को गिरफ्तार कर लिया है ।

सूरत शहर के सनातन डायमंड नगर की रहने वाली सुनीता अजीत सिंह ने दिवाली के दिन सोने की चेन समेत आभूषण पहने थे । उन्होंने उस रात उसे बाहर निकाला और प्लास्टिक की थैली में रखकर एक थैले में रख दिया। ३० नवंबर की सुबह सुनीता घर का दरवाजा खुला छोड़कर घर के पास स्थित पार्वती पब्लिक स्कूल में पढ़ने वाली अपनी बेटी को लेने चली गई । जब वह लौटी तो रसोई का सामान बिखरा पड़ा था । किचन डिब्बे में एक बैग के अंदर थैली में रखे २.७६ लाख रुपये के आभूषण गायब थे । यह देखकर सुनीता हैरान रह गई। पांडेसरा ने घटना की सूचना पुलिस को दी ।

पांडेसरा पुलिस ने सुनीता की शिकायत की जांच की । पुलिस ने शिकायतकर्ता के घर के पास रहने वाली बुशरा खालिद मुजीब शेख से पूछताछ की। पूछताछ में पता चला कि चोरी सुनीता की बहन बुशरा ने की थी । पुलिस ने आरोपी महिला के पास से सारा सामान बरामद कर लिया । चूंकि बुशरा नियमित रूप से सुनीता के घर जाती थी, इसलिए उसे पता था कि वह गहने कहां रखती है। बुशरा ने चोरी करने का प्लान बनाया । शिकायतकर्ता सुनीता अपनी बेटी को स्कूल से लेने गई थी। इसी बीच बुशरा घर में घुसकर घर से २ लाख से ज्यादा के सोने के आभूषण चुराकर भाग गई । फिलहाल पांडेसरा पुलिस ने आरोपी महिला को गिरफ्तार कर जेल की सलाखों के पीछे डाल दिया है ।

मोदी सरकार ने ही खोल दी पोल!

१ करोड़ गुजराती प्रतिदिन ३२ रुपये भी नहीं कमाते

आजादी से पहले ८० फीसदी आबादी गरीबी रेखा से नीचे रहती थी, जो अब घटकर २२ फीसदी रह गई है

अहमदाबाद, ८ दिसंबर । आजादी के बाद भी भारत में गरीबी सबसे बड़ी चुनौती बनी हुई है । इस समय देश में करीब २७ करोड़ लोग गरीबी में जी रहे हैं । जिन्हें रोजी रोटी कमाने के लिए मजदूरी जैसा काम करना पड़ता है । हाल ही में संसद के शीतकालीन सत्र के दौरान गरीबी रेखा से नीचे के लोगों के बारे में सवाल पूछा गया था, जिसके जवाब में कैबिनेट मंत्री राव इंद्रजीत सिंह ने भारत में गरीबी की स्थिति का वर्णन किया ।

देश में गरीबी की स्थिति जानने के लिए २०११-१२ में एक सर्वेक्षण कराया गया था । जिसके बाद अभी तक इस संबंध में कोई आकलन जारी नहीं किया गया है. इस सर्वे में गरीबी रेखा से नीचे रहने वाले लोगों की संख्या २७ करोड़ आंकी गई थी. सरकार का कहना है कि देश की २१.९ फीसदी आबादी अब भी गरीबी रेखा से नीचे रहती है. हम गुजरात में विकास की बात करते हैं, लेकिन १ करोड़ की आबादी आज भी दो डिब्बे खाने को तरस रही है, ये हम नहीं बल्कि केंद्र सरकार द्वारा घोषित आंकड़े कह रहे हैं.

सरकार के मुताबिक, देश की २१.९ फीसदी आबादी अभी भी गरीबी रेखा से नीचे रहती है । सरकार का मानना है कि अगर गांव में रहने वाला व्यक्ति २६ रुपये और शहर में रहने वाला व्यक्ति ३२ रुपये प्रतिदिन खर्च करने में असमर्थ है तो उस व्यक्ति को गरीबी रेखा से नीचे माना जाएगा.

गरीबी रेखा से नीचे जीवन यापन करने वाला परिवार अपने बच्चों को बुनियादी सुविधाएँ भी नहीं दे पाता है । न तो परिवार अपने बच्चों को उचित शिक्षा दे पाता है और न ही स्वास्थ्य एवं पर्याप्त भोजन उपलब्ध करा पाता है । कोरोना काल में लॉकडाउन गरीबी में जी रहे लोगों के लिए बहुत बड़े संकट का समय था । जब उन्हें ऊंचे ब्याज पर कर्ज लेकर अपना परिवार चलाना पड़ा ।

ऐसे में न सिर्फ उनके बच्चों की पढ़ाई प्रभावित हुई, बल्कि उन्हें ठीक से खाना मिलने में भी दिक्कतों का सामना करना पड़ा. इस समय, सीमांत समुदायों और उनके परिवारों को कोविड की समाप्ति के बाद कुछ समय तक कई समस्याओं और रोजगार संबंधी समस्याओं का सामना करना पड़ा । लॉकडाउन के बाद सीएमआईई (सेंटर फॉर मॉनिटरिंग इंडियन इकोनॉमी) द्वारा जारी आंकड़ों से पता चलता है कि ग्रामीण भारत में बेरोजगारी दर मई २०२२ में ७.१ प्रतिशत से बढ़कर जून २०२२ में ७.८ प्रतिशत हो गई, बेरोजगारी दर में १.४ प्रतिशत की वृद्धि हुई ।

सरकार द्वारा प्रस्तुत आंकड़ों के अनुसार, नीति आयोग ने 'राष्ट्रीय बहुआयामी गरीबी सूचकांक: एक प्रगति समीक्षा २०२३' शीर्षक से एक रिपोर्ट जारी की । जिसके अनुसार वर्ष २०१५-१६ से २०१९-२१ के दौरान १३.५ करोड़ लोग बहुआयामी गरीबी से मुक्तहुए हैं । नीति आयोग ने राष्ट्रीय बहुआयामी गरीबी सूचकांक (एमपीआई) का यह दूसरा संस्करण जारी किया है । इसका पहला संस्करण नवंबर २०२१ में जारी किया गया था ।

भारत में २०१५-१६ में २४.८५ प्रतिशत आबादी बहुआयामी रूप से गरीब थी । जो २०१९-२१ में घटकर १४.९६ प्रतिशत हो गई. हालाँकि, इस बात को नज़रअंदाज़ नहीं किया जा सकता कि देश की १५ प्रतिशत आबादी अभी भी बहुआयामी गरीबी में जी रही है । जो एक चिंताजनक आँकड़ा है. इतनी बड़ी आबादी को गरीबी के इस स्तर से बाहर निकालने के लिए सरकार की ओर से मजबूत उपायों की जरूरत है।

हीरा कारोबारी ने ११.२५ लाख नहीं देने पर कोल गर्ल को घर भेजने की धमकी दी

सूरत, ८ दिसंबर । सरकार के सख्त कानूनों के बावजूद प्रदेश में सूदखोरों का उत्पीड़न लगातार बढ़ रहा है । एक बार फिर सूदखोरों का उत्पीड़न सामने आया है। घटना सूरत के सिंगनपोर इलाके की है । यहां सूदखोरों ने ब्याज वसूलने के लिए एक हीरा व्यापारी से मुलाकात की । सूदखोरों ने हीरा व्यापारी को धमकी दी कि अगर उसने ब्याज के ११ ।२५ लाख रुपये नहीं दिए तो वह कॉल गर्ल को घर पर छोड़ देगा । जब बुजुर्ग ने बालियां उतारने से इनकार कर दिया तो सूदखोरों ने उनसे किडनी बेचकर पैसे देने को कहा । १० लाख के मूलधन के एवज में ब्याज की मांग कर आधी रात में दरवाजे का शीशा तोड़कर दहशत फैलायी । इस मामले में सिंगणपोर पुलिस स्टेशन में अपराध दर्ज किया गया है । जैसे-जैसे वित्तीय लेनदेन में डिजिटल करेंसी का चलन बढ़ रहा है, धोखाधड़ी के मामले भी बढ़ रहे हैं । सूरत के कडोदरा के एक लकड़ी व्यापारी से किसी ने इस तरह लाखों की ठगी कर ली । यह धोखाधड़ी व्यापारी से ऑनलाइन ऐप डाउनलोड कराकर की जाती है । कडोदरा में एक लकड़ी व्यापारी ने मानेकपुर में एक व्यापारी को पैसे हस्तांतरित किए । पैसे ट्रांसफर न होने पर जेक ने कस्टमर केयर पर फोन किया ।

धोखेबाज ने तब चाल चली जब कस्टमर केयर पर फर्जी नंबर से कॉल आई । पैसे वापस मिलने की गारंटी के साथ एनीडेस्क नाम का ऐप डाउनलोड कराया गया । इस ऐप की मदद से धोखेबाज ने व्यापारी के खाते से १४ ।९३ लाख रुपये ट्रांसफर कर लिए । इस मामले में कड़ोदरा थाने में शिकायत दर्ज कराई गई है । आज काम करने का लगभग हर तरीका बदल गया है । अब चीजें करना पहले की तुलना में आसान लगता है । लगभग हर क्षेत्र में स्थिति बदल गई है । जैसे- बैंकिंग सेक्टर । यहां भी बहुत कुछ बदल गया है । अब लगभग हर काम के लिए बैंक जाने की जरूरत नहीं है, क्योंकि अब कई काम ऑनलाइन बैंकिंग या फोन बैंकिंग आदि के जरिए किए जा सकते हैं । वहीं, कई लोग कस्टमर केयर से बात करने के लिए नंबर ढूंढते हैं और आजकल लोग हर चीज के लिए गूगल के पास जाते हैं । इसी तरह लोग गूगल पर भी कस्टमर केयर नंबर सर्च करते हैं, लेकिन रुकिए, अगर आप भी गूगल पर बैंक से जुड़े नंबर जैसे कस्टमर केयर नंबर आदि सर्च करते हैं तो ऐसा न करें । अन्यथा आपके साथ धोखा हो सकता है । हा ये तो है । तो आइए जानें कि क्यों नहीं और आप ग्राहक सेवा नंबर कहां से प्राप्त कर सकते हैं । दरअसल, किसी भी बैंक के कस्टमर केयर नंबर को किसी वेबसाइट पर सर्च करना मना है क्योंकि जालसाज यहां फर्जी वेबसाइट और फर्जी कस्टमर सर्विस नंबर डाल देते हैं । यह बिल्कुल असली लगता है और आप पहली नजर में यह नहीं कह सकते कि यह नकली है ।

शादी के बीच युवक ने कुछ अजीब छाप दिया

राजकोट, ८ दिसंबर । भारत में शादी का सीजन शुरू हो चुका है, ऐसे में हर कोई अपनी शादी को खास बनाने के लिए तरह-तरह की सजावट और अलग-अलग तरीकों से अपने फंक्शन को खास बना रहा है । राजकोट में एक युवक ने अपनी शादी की अंगूठी में राम मंदिर प्रतिष्ठा महोत्सव का निमंत्रण छपवाया है, जो इस समय चर्चा का विषय बन गया है ।

आज के युवा डेस्टिनेशन वेडिंग से लेकर अलग-अलग थीम पर शादी की योजना बनाते हैं । दिशांक कनाबार, जिन्होंने राजकोट में प्राकृतिक चिकित्सा और मास्टर ऑफ सोशल वर्क की पढ़ाई की है, और जो स्वामीनारायण संप्रदाय के माध्यम से युवाओं में सामाजिक परिवर्तन पर पीएचडी कर रहे हैं, ने अपनी शादी के निमंत्रण को अद्वितीय बना दिया है । दिशांक कनाबार एक सामाजिक संदेश के साथ अपनी शादी का जश्न मना रहे हैं ।

फिर इस कार्यक्रम के निमंत्रण में हिंदू आस्था के प्रतीक भगवान श्रीराम मंदिर की तिथि, समय और भगवान श्रीराम की फोटो इस पत्रक में दर्शाई गई है । श्रीराम मंदिर प्रतिष्ठा महोत्सव में शामिल होने के लिए विशेष निमंत्रण भेजा गया है । दिशांक कानाबर ने कहा, राम मंदिर की मूर्ति प्रतिष्ठा संपूर्ण हिंदू समाज के लिए गौरव का विषय है । शादी समारोह के बारे में बात करते हुए दिशांक भाई ने कहा कि मेरे बड़े भाई के मन में यह विचार आया कि हमें कुछ ऐसा करना चाहिए जिससे लोगों में अच्छा संदेश जाए । फिर हमने विवाह कंकोत्री में एक पूर्ण पृष्ठ श्री राम मंदिर प्रतिष्ठा महत्व निमंत्रण मुद्रित किया है, ताकि लोगों को समय, तिथि सहित सभी जानकारी मिल सके । यह हम सभी के लिए गर्व की बात है कि इतने लंबे समय के बाद हमारे प्रभु श्री राम अयोध्या मंदिर में विराजमान होंगे । लोगों के बीच एक अच्छा संदेश फैलाने के लिए यह योजना बनाई गई थी । इस शादी में आने वाले सभी लोगों को चकली की मालाएं बांटी जाएंगी । पूरे स्वागत समारोह में केवल आध्यात्मिक भजन ही बजाए जाएंगे । कनाबार परिवार के इस फैसले का हर कोई स्वागत कर रहा है ।

पश्चिम रेलवे - वडोदरा मंडल

इंजीनियरींग कार्य

ई-निविदा सूचना सं.

DRM-BRC 101 OF 2023-24

भारत के राष्ट्रपति की ओर से एवं उनके लिए मंडल रेल प्रबंधक (W A/C.), पश्चिम रेलवे, प्रतापनगर, वडोदरा-390 004 द्वारा निम्नानुसार कार्यों हेतु मुहरबंद निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं । **क्रम सं.1: निविदा सं. DRM BRC 101 of 2023-24 कार्य का नाम:** BRC मंडल के विभिन्न यार्डस में रेत के हम्प्स, रेत के डेड एन्ड्स की सुधारणा और सहायक ट्रैक कार्य । **कार्य की अनुमानित लागत (₹ में):** 2,40,10,030.47, **जमा कराने की बीड सुरक्षा राशी (₹ में):** 2,70,100.00, **निविदा जमा कराने एवं निविदा खोलने की तिथि एवं समय:** निविदा दिनांक **28-12-2023** को 15:00 बजे से पहले जमा की जाएगी एवं उसी दिनांक को 15:30 बजे खोली जाएगी । **वेबसाईट का विवरण एवं नोटीस का स्थान जहाँ से विवरण देखे जा सकते हैं एवं कार्यालय का पता जहाँ से निविदा प्रपत्र खरीद सकते हैं:** वेबसाईट: @ **www.ireps.gov.in** मंडल रेल प्रबंधक (W A/C), पश्चिम रेलवे, प्रतापनगर, वडोदरा-4 ।

BRC-253

हमें लाइक करें: facebook.com/WesternRly

मालिक, मुद्रक-प्रकाशक व सम्पादक : लक्ष्मीचन्द जी. अग्रवाल द्वारा ब्रिजाशा ऑफसेट, सरसपुर, अहमदाबाद में मुद्रित करवाकर, स्वेतप्रित बिल्डिंग, खासवाड़ी, बहुचराजी रोड़, वड़ोदरा से प्रकाशित किया। प्रात:कालीन E-mail: janhitaishi@yahoo.co.in Mob.9375504122 R.N.I. 64278/96